दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

भारत टाइम्स

D.Edition.....

Reg.No.RJ26D00120077

www.bharattimesnews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

bharattimesnews01@gmail.com

विचार

तेरे गिरने में तेरी हार नहीं, तू इंसान है अवतार नहीं, अगर गिर गया तो फिर से उठ, चल, दौड़, फिर भाग, तू कई बार हारेगा लेकिन हर बार नहीं ।

वर्ष -4 | अंक -42 | पेज-8 | दिल्ली, सोमवार 30 मार्च 2026 | पेज-7 | भारत के पूर्व कप्तान ने की...

665 नर्सिंग अधिकारियों को मिला नियुक्ति पत्र, बोले-पारदर्शी चयन प्रक्रिया से मिला हक

सीएम योगी के हाथों नियुक्ति पाकर भावुक हुए अभ्यर्थी, कहा- मेहनत को मिला सम्मान

- **जाति-धर्म और क्षेत्रवाद से परे सभी को मिला समान अवसर**
- **छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए और चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता की सराहना की**

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के लोक भवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चयनित 665 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर इन अभ्यर्थियों की खुशी देखते ही बन रही थी। मंच से एक-एक कर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता व निष्पक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जाति-धर्म और क्षेत्रवाद से परे सभी को समान अवसर मिल रहा है।

परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष बनाया गया : प्रियंका सिंह

मोहनलालगंज, लखनऊ की प्रियंका सिंह ने कहा कि पारदर्शी परीक्षा के कारण मुझे प्रथम रैंक हासिल करने का गर्व मिला। उन्होंने बताया कि कैसे सकारात्मक बदलाव कर परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष बनाया गया। प्रियंका ने मुख्यमंत्री से मिलने को अपना सपना पूरा होना बताया। भावुक होकर परिवार व अपने बड़े भाई के सहयोग को याद किया।

योग्यता को मिला सम्मान : संध्या सिंह

सुल्तानपुर की संध्या सिंह ने कहा कि दो चरणों में हुई परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी रही। इसकी सबसे खास बात यह रही कि जो योग्य थे, वही चयनित हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अधिकारियों का आभार जताते हुए इसे अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया।

योगी सरकार की ईमानदारी के कारण नहीं हो सकती कहीं गड़बड़ी : अनामिका यादव

मैनपुरी की अनामिका यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने परीक्षा केंद्रों की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि इतनी सख्ती थी कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई आशंका नहीं थी। उन्होंने इसे योगी सरकार की ईमानदारी और मेरिट आधारित चयन का उदाहरण बताया।

पहले मेरे मन में यूपी को लेकर गलत धारणा थी, लेकिन सीएम योगी के आने से यह राज्य बहुत शानदार ढंग से विकसित हो रहा : शरिमा सिद्दीकी

शरिमा सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा कि मैं वास्तव में आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मैं पहले सेना में थी और वहां से सेवानिवृत्त होने के बाद मेरी उत्तर प्रदेश में बसने की कोई योजना नहीं थी। पहले मेरे मन में इस राज्य को लेकर एक गलत धारणा थी, लेकिन आपके नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में यह राज्य बहुत ही खूबसूरत और शानदार ढंग से विकसित हुआ है। हम बहुत तरक्की कर रहे हैं। इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

गर्व और खुशी का पल : आकांक्षा

आकांक्षा ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने को जीवन का गर्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी परीक्षा से योग्य उम्मीदवारों को ही अवसर मिला है।

पारदर्शी चयन बना भरोसे की नींव

कार्यक्रम में शामिल अभ्यर्थियों ने एक स्वर में परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता की सराहना की। इस चयन प्रक्रिया ने यह संदेश दिया कि अब सरकारी भर्तियों में मेहनत और योग्यता ही सफलता का आधार बन रही है।

सिस्टम पर भरोसा बढ़ा

नियुक्ति पत्र वितरण का यह कार्यक्रम केवल नौकरी देने का अवसर नहीं था, बल्कि युवाओं के विश्वास को मजबूत करने वाला क्षण भी बना। चयनित नर्सिंग अधिकारियों की आवाज में साफ झलक रहा था कि अब मेहनत का हक मिल रहा है और सिस्टम पर भरोसा बढ़ा है।

सार-समाचार

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की राजस्थान में रची थी साजिश

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में बीती रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में घायल हुआ बदमाश आकाश निगम के तार कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने के साथ ही मुंबई में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आकाश निगम और उसके सहयोगी शिवा गुर्जर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की सुपारी लेने में शामिल थे। बता दें 31 जनवरी 2025 की रात मुंबई में रोहित शेट्टी के आवास के बाहर फायरिंग की गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटर आरजू बिश्नोई ने इस वारदात को अंजाम दिया था। जांच में सामने आया कि आकाश और शिवा ने इस हमले की रेकी करने और योजना बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। आरजू बिश्नोई ने आकाश निगम को श्रीगंगानगर भेजा था, जहां उसे एक और आपराधिक वारदात को अंजाम देने का काम सौंपा था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात सादुलशहर क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान आकाश निगम के वाहन को रोका। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आकाश निगम के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया।

मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

मलेरकोटला। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे। इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पकड़े गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई। जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई। मलेरकोटला पुलिस की सीआईए विंग की टीम ने गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया।

इस देश के सभी नेता को करनी पड़ेगी गौमाता की रक्षा

अंबेडकरनगर। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गौ माता की रक्षा के धर्मयुद्ध यात्रा शुरू करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस दौरान उन्होंने संतों की भूमिका पर भी बड़ा सवाल किया। साथ ही उन्होंने कहा कि हमने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 40 दिन का समय दिया था, जो कोई गड़बड़ी हो तो 40 दिन में सुधार लीजिए। लेकिन उन्होंने उस 40 दिनों का उपयोग गौ-माता की रक्षा के लिए नहीं किया, इसीलिए ये युद्ध हमको शुरू करना पड़ा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, गौमाता की रक्षा इस देश के सभी नेता को करनी ही पड़ेगी। चाहे फिर वह किसी भी पार्टी का नेता क्यों न हो। ये हिंदुओं का देश है, हम हिंदू इसके लिए तैयार नहीं हैं कि हमारी ही माता को काट-काटकर डॉलर के लिए बेचा जाए। उन्होंने कहा, इस समय देश में संत 2 तरह के हो गए हैं। एक सरकारी और दूसरा असहकारी। हम असहकारी संतों में अपने आप को रखना चाहते हैं। सरकारी संतों में नहीं रखना चाहते। सरकारी संतों से भला नहीं होने वाला है। सरकारी संत अन्याय और अत्याचार होता देख रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी नहीं बोल रहे हैं। उसके बाद भी उनके मुंह से सत्ता के पक्ष में बात निकलती है। अगर साधु संत में सरकार के स्वर में स्वर मिलाने लगेंगे तो जनता का क्या होगा। सरकारी संतों से सनातन धर्म के लोगों को उम्मीद नहीं है।

मिडिल ईस्ट में हजारों मरीन तैनात, अमेरिका ने 3500 सैनिक पहुंच

ईरान में अब होगा जमीनी युद्ध सेना उतारने के मूड में अमेरिका

ईरान के पास 2 साल तक युद्ध लड़ने की क्षमता

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट में एक महीने से चल रही जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इरान जहां अमेरिका और इजराइल के ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी और बढ़ा दी है। अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस त्रिपोली करीब 3,500 सैनिकों (मरीन और नेवी) के साथ इस इलाके में पहुंच गया है। इस तैनाती से वहां पहले से मौजूद करीब 50,000 अमेरिकी सैनिकों की संख्या और बढ़ गई है। यह ऐसे समय में हुआ है जब इस बात को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं कि क्या वॉशिंगटन ईरान में जमीनी सैनिक भेजने पर विचार कर सकता है। लेकिन अमेरिका-इजराइल के लिए मुश्किलें कम नहीं होने वाली हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान की मिसाइल ताकत को लेकर सामने आ रही नई जानकारियों ने अमेरिका की चिंता को बढ़ा दिया है। कई मीडिया रिपोर्टस में ईरान ने दावा करते हुए मिसाइल बेस के कई वीडियो

और विजुअल्स जारी किए हैं। जिसमें ऐसे अंडरग्राउंड मिसाइल बेस दिखाई दे रहे हैं, जो जमीन की गहराइयों और पहाड़ों के भीतर बनाए गए हैं। अमेरिका और इजरायल की एजेंसियों के लिए इनका पता लगाना मुश्किल हो रहा है। वो हमले तो कर रहे हैं लेकिन ईरानी मिसाइल के ठिकानों को उतनी रफ्तार से ध्वस्त नहीं कर पा रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक ईरान के कुल मिसाइल भंडार का केवल लगभग एक-तिहाई हिस्सा ही नष्ट किया जा सका है, जबकि बड़ी संख्या में हथियार अब भी सुरक्षित ठिकानों पर मौजूद हैं। ऐसे में ईरान की मिसाइल सिटी और अंडरग्राउंड नेटवर्क ने यह साफ कर दिया है कि यह संघर्ष केवल खुले मैदान की लड़ाई नहीं, बल्कि तकनीक, रणनीति और छुपाव की जंग भी है। इन हालातों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने रणनीतिक चुनौती और गहरी होती दिख रही है। एक तरफ ईरान की छिपी सैन्य क्षमता, तो दूसरी ओर वैश्विक दबाव दोनों मिलकर अमेरिकी नीति को कठिन मोड़ पर ले आए हैं।

70 प्रतिशत मिसाइल अब भी इस्तेमाल नहीं

ईरान के सांसद मालेक शारियाती का दावा है कि तीन हफ्तों की जंग के बावजूद देश ने अब तक अपने करीब 70 प्रतिशत मिसाइल भंडार का इस्तेमाल ही नहीं किया है। वहीं, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह के अनुसार, ईरान के पास इतने मिसाइल बेस और हथियार हैं कि अगर हर हफ्ते उनका खुलासा किया जाए, तो भी दो साल तक यह सिलसिला जारी रह सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान ने संभावित हमलों को ध्यान में रखते हुए अपने मिसाइल सिस्टम को अलग-अलग गुप्त ठिकानों पर फैला रखा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल को उन ठिकानों का पता लगाने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। इसके बाद भी ठिकानों का पता नहीं चल रहा है।

घर में ही घिरे अमेरिकी राष्ट्रपति पूरे अमेरिका में जबरदस्त विरोध

वॉशिंगटन। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए नो किंग्स रैली में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को थेरेपी सेशन बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे राजा नहीं हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली है। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सडकों पर उतरकर ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

साणंद में सेमीकंडक्टर क्रांति की शुरूआत, 31 मार्च को पीएम मोदी करेंगे ओएसएटी प्लांट का शुभारंभ

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च, 2026 को साणंद में केन्स सेमीकॉन की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का शुभारंभ करेंगे। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत इस प्रोजेक्ट को केंद्रीय कैबिनेट ने 23 सितंबर, 2024 को स्वीकृति दी थी। 3300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से साणंद में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और अधिक मजबूत होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास से यह दशक टेक फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास के लिए काफी तेजी से काम हो रहा है। माइक्रोन प्लांट के शुभारंभ के बाद केन्स सेमीकॉन की ओएसएटी सुविधा के शुरू होने से स्थानीय आर्थिक विकास को और गति मिलेगी। ओएसएटी यानी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट प्लांट में चिप की टेस्टिंग और पैकेजिंग करके उसे मार्केट तक पहुंचाने का काम पूरा किया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, 31

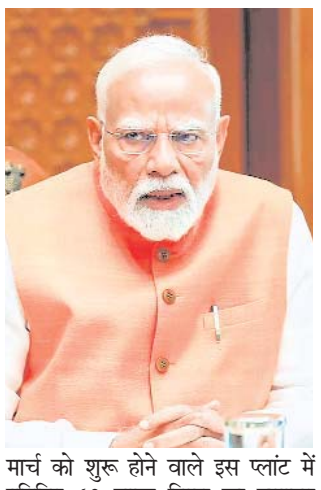

मार्च को शुरू होने वाले इस प्लांट में प्रतिदिन 60 लाख चिप्स का उत्पादन होगा। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग : बरसों का काम 900 दिनों में हुआ पूराप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी, 2016 को माइक्रोन सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रोजेक्ट की गतिशीलता पर जोर देते हुए कहा, जून 2023 में इस फैसिलिटी के लिए एमओयू साइन हुआ। सितंबर में शिलान्यास हुआ और आज फरवरी 2026 में कमर्शियल प्रोडक्शन भी शुरू हो गया। दुनिया के विकसित देशों में भी ऐसी मंजूरियों और प्रक्रियाओं में वर्षों निकल जाते हैं, लेकिन भारत ने इस असंभव कार्य को केवल 900 दिनों में पूरा कर दिखाया है। जब नीयत साफ हो और निष्ठा देश के तेज विकास के प्रति हो, तब नीति भी स्पष्ट बनती है और निर्णयों में भी गति आ ही जाती है।

साणंद : ऑटो हब से लेकर सेमीकंडक्टर हब तक साणंद के औद्योगिक विकास में बहुत ही छोटी अवधि में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन के साथ ही सीजी सेमी द्वारा भी यहां प्लांट स्थापित किया जा रहा है। ऑटोमोबाइल हब के रूप में विख्यात साणंद, अब भारत के प्रथम चिप पैकेजिंग क्लस्टर और वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। ताइवान के सिंशु शहर और दक्षिण कोरिया के ग्योंगी शहर के समान भारत में साणंद सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित हो रहा है।

मारे गए छात्रों के परिवारों को नौकरी

काठमांडू। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पद संभालते ही बड़ा फैसला लिया है। सितंबर 2025 के प्रदर्शन में मारे गए 27 छात्रों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने का ऐलान लागू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद हुई पहली कैबिनेट बैठक में ही यह निर्णय लिया गया। इसके तुरंत बाद ऊर्जा मंत्रालय के तहत नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी ने भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी। अथॉरिटी ने नोटिस जारी कर मृत छात्रों और उनके परिवार के चयनित सदस्यों की सूची भी जारी कर दी है। नोटिस के अनुसार, हर मृत छात्र के परिवार से एक सदस्य को उनके ही जिले में नौकरी दी जाएगी। नियुक्ति योग्यता और स्किल के आधार पर होगी। परिवारों को 35 दिनों के भीतर अपने संबंधों का सत्यापन कर नियुक्ति पत्र लेना होगा।

आईपीएल 2026: रोहित-रिकेल्टन के तूफानी अर्धशतक से मुंबई ने केकेआर को हराया

मुंबई । मुंबई इंडियंस (एमआई) ने आईपीएल 2026 के दूसरे मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 6 विकेट से हराकर सीजन के पहले मैच में जीत हासिल करने का 13 साल पुराना सूखा खत्म कर दिया। इस जीत के नायक रहे रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन, जिन्होंने शानदार अर्धशतक जड़ते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने 19.1 ओवर में 4 विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा ने पुरानी लय में लौटते हुए 38 गेंदों पर 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने महज 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज पचासा रहा। रोहित ने अपनी पारी में 6 चौके और 6 छक्के जड़े और टीम को तूफानी शुरूआत दिलाई। वहीं, रिकेल्टन ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंदों पर 81 रन बनाए। उन्होंने 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और रोहित के साथ पहले विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी कर मैच लगभग एकतरफा कर दिया।

2026-27 की बजट घोषणाओं में भूमि आवंटित, जीएसएस दीपला को 96 घंटों में मिली भूमि

♦भारत टाइम्स♦

चौहटन / डूंगर राठी की रिपोर्ट

राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप उपखण्ड अधिकारी सेड़वा बद्रीनारायण विश्नोई ने मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2026-27 के विभिन्न सरकारी कार्यालयों को एक सप्ताह में भूमि आवंटन की कार्रवाई की है । एसडीओ ने बताया कि सरकारी कार्यालयों को समय पर भूमि आवंटित नहीं होने से विकास के कार्य प्रभावित होते हैं । राज्य सरकार की प्राथमिकता रहती है कि मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं की तत्काल क्रियान्विति हो । सेड़वा उपखण्ड में इस वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री बजट में कार्यालय सहायक निदेशक कृषि (विस्तार),जीएसएस दीपला और पशु चिकित्सालय बामडला (क्रमोन्नत) की घोषणाएं हुई ।

एसडीओ सेड़वा बद्रीनारायण विश्नोई ने जिला कलक्टर के निर्देश पर संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ मौका निरीक्षण कर इस वर्ष बजट में घोषित कार्यालयों को एक सप्ताह में भूमि आवंटन की कार्रवाई को अंजाम दिया । उन्होंने ग्राम सम्मो की ढाणी के सरकारी खसरा नम्बर 819/606 ,किस्म गैर मुमकिन धोरे में सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) कार्यालय को भूमि आवंटन के आदेश जारी किए । इस तरह राजकीय पशु चिकित्सालय बामडला और खसरा नम्बर 747/348 में 132 केवी विद्युत ग्रिड सब स्टेशन को भूमि आवंटन के प्रस्ताव जिला कलक्टर कार्यालय को भेजे । जहां से इन दोनों सरकारी कार्यालयों को भूमि आवंटन की कार्रवाई की गई । एसडीओ विश्नोई ने बताया कि 132 केवी ग्रिड विद्युत सब स्टेशन को केवल 96 घंटों में भूमि आवंटित की गई ।

जीएसएस के समय पर निर्माण से स्थानीय जनता को भविष्य में बिजली आपूर्ति की परेशानी से निजात मिलेगी ।

बहुमुखी हनुमान हिंगलाज माता मंदिर

30 एवं 31 मार्च को होंगे धार्मिक आयोजन शिव एवं सती विवाह दिवस पर भरेगा मेला

♦भारत टाइम्स♦

प्रवीन मंगल /ब्यावर

अजमेर रोड स्थित बहुमुखी हनुमान हिंगलाज माता मंदिर श्रद्धालुओ की आस्था का प्रमुख केंद्र है। बहुमुखी हनुमान हिंगलाज माता मंदिर में चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को भगवान शिव एवं माता सती के विवाह दिवस के पुण्य अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जायेगा। मंदिर संचालक पुष्प भंसाली ने बताया कि 30 मार्च सोमवार को दोपहर 4.15 बजे नारायण नाथ महाराज,मंडी रास के हस्त कमलो द्वारा ध्वजा पूजन किया जायेगा एवं साँय 7.00 बजे महाआरती का आयोजन किया जायेगा। रात्री 9.00 बजे से आयोजित होने वाली भजन संध्या में मुकेश चक्रधारी पार्टी एवं अन्य भजन गायक कलाकारों द्वारा भजनो की प्रस्तुति दी जायेगी। आयोजन हेतु मन्दिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं पुष्प हारो से सजाया गया है। मेले में बच्चो के झूले,मिकी माउस,विभिन्न व्यजनों की स्टॉल के साथ कुल्फी एवं आइसक्रीम की स्टॉल की व्यवस्था की जायेगी। दिनांक 31 मार्च मंगलवार को दोपहर 11 बजे से महाप्रसादी का आयोजन किया जायेगा। मन्दिर प्रबंधन मण्डल ने अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया है। बलूचिस्तान में स्थित हिंगलाज पर्वत पर माता सती का सिर गिरा था,यह स्थान प्रमुख शक्तिपीठ है। मन्दिर में स्थित बहुमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ हिंगलाज पर्वत पर विराजमान हिंगलाज मैया के स्वरूप की प्रतिमा स्थापित है,जो कि श्रद्धालुओं में आस्था की ज्योत जगाये हुये है।

ध्वजारोहण, भजन उत्सव एवं महाप्रसाद का होगा आयोजन्रा

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ में बड़ी नियुक्ति- कृष्ण प्रकाश सिंह चौहान बने छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष

♦भारत टाइम्स♦

सुकमा/ ज्ञानेंद्र सिंह चौहान

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण प्रकाश सिंह चौहान को राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ द्वारा बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन ने उन्हें छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में आदेश संगठन के मध्यप्रदेश कार्यालय से जारी किया गया। कृष्ण प्रकाश सिंह चौहान लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और क्षेत्र में किसानों, मजदूरों तथा ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर निरंतर कार्य करते आए हैं। उनकी इसी सक्रियता, अनुभव और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए महासंघ ने उन्हें प्रदेश स्तर पर यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। संगठन द्वारा जारी निर्देश में उनसे अपेक्षा की गई है कि वे प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करें, किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी पहल करें तथा गांव-गांव तक संगठन का विस्तार सुनिश्चित करें। से खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने और समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। इसी के साथ भिलाई निवासी पारस नाथ साहु को संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन ने दोनों पदाधिकारियों से मिलकर प्रदेश में एक मजबूत टीम तैयार करने और जनहित के मुद्दों पर प्रभावी कार्य करने की अपेक्षा जताई है। कृष्ण प्रकाश सिंह चौहान की नियुक्ति पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा ।

अत्यंत दुर्लभ है धर्म श्रवण : युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण

- संघर्षों में भी शांति रखने हेतु गुरुदेव ने किया प्रेरित
- शांतिदूत के दर्शनार्थ पहुंचे ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज
- 2028 का अक्षय तृतीया समारोह टोहाना में घोषित
- मुनि श्री नमीकुमार द्वारा 45 दिन की तपस्या का प्रत्याख्यान

♦भारत टाइम्स♦लाडनूं

राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले स्थित जैन विश्व भारती, लाडनूं का सुरम्य परिसर इन दिनों युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के योगक्षेम वर्ष प्रवास के मंगल आयोजन से गुंजायमान है। प्रातःकालीन मंगल भ्रमण के दौरान गुरुदेव के पावन सानिध्य में जैन विश्व भारती द्वारा संचालित 'महाप्रज्ञ प्रोग्रेसिव स्कूल' में नव-निर्मित महाश्रमण स्पोर्ट्स ग्राउंड का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस गरिमापूर्ण अवसर पर कला और पर्यावरण के क्षेत्र में अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके, तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता एवं पद्म श्री से सम्मानित प्रख्यात भारतीय संगीतकार रिकी केज ने भी लाडनूं पहुंचकर शांतिदूत आचार्य श्री के मंगल दर्शन और आशीर्वाद का लाभ प्राप्त किया। गुरुदेव के मुख्य मंगल प्रवचन के पश्चात अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वावधान में आयोजित त्रि-दिवसीय विराट युवती सम्मेलन 'संगम' का मंचीय समारोह आयोजित हुआ, जिसमें युवतियों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा से अपने विचार रखे। इसी के साथ टोहाना से समागत श्रावक समाज की अर्जी पर मर्जी करते हुए पूज्य गुरुदेव ने वर्ष 2028 का 'अक्षय तृतीया महोत्सव' हरियाणा के टोहाना नगर में आयोजित करने की घोषणा की। मुख्य प्रवचन कार्यक्रम में गुरुदेव ने कहा कि 84 लाख जीव योनियों में मनुष्य का जन्म मिलना अत्यंत मुश्किल है, और मनुष्य देह प्राप्त करने के बाद भी धर्म की श्रुति यानी धर्म सुनने का अवसर अत्यंत दुर्लभ है। मनुष्य को पांच बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, अच्छा सुनो, अच्छा देखो, अच्छा सोचो, अच्छा बोलो और अच्छा करो। जीवन में अच्छी बातें सुनने से मनुष्य के भाव शुद्ध होते हैं और प्रेरणा मिलने पर वह तप को स्वीकार कर लेता है। तपस्या का अर्थ केवल भूखा रहना ही नहीं है, बल्कि इसके बारह भेद हैं। आगमों का स्वाध्याय करना, ज्ञान कंठस्थ करना और प्रायश्चित करना भी तपस्या और श्रुत आराधना है। गुरुदेव ने सरलता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बिना किसी छल-कपट या लुकाव-छिपाव के अपनी बड़ी से बड़ी गलती को स्वीकार कर लेना और प्रायश्चित के लिए प्रस्तुत हो जाना एक बहुत ऊंची बात है। यदि हम अपनी गलतियों के कांटे भीतर ही छिपा कर रख लेंगे, तो वे अगले जन्म में उसका परिणाम भोगना पड़ेगा। इसलिए आत्म शुद्धि कर लेना आवश्यक है, ताकि हमारी आत्मा का आगे का रास्ता प्रशस्त और साफ हो सके। विश्व को अहिंसा और शांति का संदेश देते हुए गुरुदेव ने फरमाया कि अच्छी बातों को सुनकर आदमी क्षमा और अहिंसा को भी स्वीकार कर लेता है। आज विश्व में जो युद्ध की समस्याएं चल रही हैं, वहां यह समझना जरूरी है कि मनुष्य को युद्ध नहीं, शुद्ध बनना चाहिए। चारित्र आत्माओं का मूल धर्म अहिंसा, दया और समता है। परम पूज्य आचार्य श्री तुलसी और जयाचार्य जैसे महापुरुषों ने भी अपने जीवन में आए अनेक विरोधों और संघर्षों को इसी प्रकार शांति व समता के साथ झेला था। हमें हमेशा अच्छी बातों को सुनने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि सुनने से ही मनुष्य शुद्धता, तप और अहिंसा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ सकता है।

आचार्य प्रवर के सान्निध्य में जैन विश्व भारती में तपस्या का भी ठाठ लगा हुआ है। आज मुनि नमी कुमार जी ने 45 दिन की तपस्या का आचार्य श्री से प्रत्याख्यान किया। इससे पूर्व में भी आपने 62 दिन की तपस्या एवं अनेकों मासखमण सम्पन्न किए है।

पत्नी की हत्या कर चौकी में रिपोर्ट करने वाला पति ही निकला आरोपी

चौकी सलका-उमेश्वरपुर पुलिस ने मामले का खुलासा कर आरोपी पति को किया गिरफ्तार

♦भारत टाइम्स♦

अजहर अंसारी /सूरजपुर

दिनांक 04.03.2026 को ग्राम तारकेश्वरपुर निवासी अलमा प्रजापति ने चौकी सलका उमेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03.03.2026 को सुबह अपने पड़ोसी के साथ सामान लेने कार से खडगवां रतनपुर गया था, घर में इसकी पत्नी लीलावती अकेली थी, बैकुंठपुर तरफ से रात्रि में वापस घर पहुंच कर देखा कि इसकी पत्नी लीलावती पलंग के नीचे जमीन पर मुंह के बल लेटी थी यह सोचा कि शराब के नशे में जमीन तरफ मुंह के बल लेटी है, पहले इसी तरह जमीन पर लेट जाती थी यह सोचकर नहीं उठाया, दिनांक 04.03.2026 की सुबह अपनी पत्नी को उठा कर देखा तो उसकी मृत्यु हो गई थी जिसके चेहरे चोट लगा था। घटना कि जानकारी पड़ोसियों व रिश्तेदारों में दिया हूँ। पत्नी की मृत्यु अज्ञात कारणो से होने की सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

मर्ग जांच में यह बात सामने आई कि अलमा प्रजापति दूसरी महिलाओं से बातचीत करता था जिस कारण उसकी लीलावती उसके चरित्र पर शंका कर बातचीत करने से मना करती जिससे दोनों में झगड़ा विवाद होता था और अलमा अपनी पत्नी को मारपीट भी करता था। मृतिका के पीएम रिपोर्ट व मर्ग जांच उपरान्त मामले में अपराध क्रमांक 38/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने हत्या का खुलासा कर आरोपी को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। एसडीओपी प्रेमनगर बेनार्ड कुजूर के मार्गदर्शन में चौकी सलका उमेश्वरपुर पुलिस के द्वारा पाए गए तथ्यों के आधार पर संदेही अलमा प्रजापति को तलब कर बारीकी से पूछताछ किया। पूछताछ पर उसने बताया कि पत्नी दूसरी महिलाओं से बातचीत करने का आरोप लगाकर झगड़ा विवाद करती थी मना करने पर भी नहीं मानती थी। दिनांक घटना 03.03.2026 के रात्रि में बैकुंठपुर तरफ से घर आने पर पत्नी द्वारा पुनः इसके चरित्र पर शंका कर झगड़ा विवाद करने से आक्रोशित होकर हाथ-पैर, प्लास्टिक पाइप, चाकू से मारपीट कर उसकी हत्या कर दिया। पत्नी की हत्या के मामले में फंसने से बचने के लिए दिनांक 04.03.2026 को चौकी जाकर मनगढ़ंत रिपोर्ट लिखवाना बताया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू, पाइप जप्त कर आरोपी अलमा प्रजापति पिता स्व. पीलाराम उम्र 54 वर्ष ग्राम तारकेश्वरपुर चौकी सलका-उमेश्वरपुर को गिरफ्तार किया गया। मामले में गिरफ्तार आरोपी चौकी क्षेत्र का गुण्डा बदमाश भी है।

इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी सलका उमेश्वरपुर संजय सिंह यादव, प्रधान आरक्षक अजीत प्रताप सिंह, ईश्वर सिंह, आरक्षक राकेश सिंह पोर्ते, रामचंद्र साहू, पंकज राजवाड़े व पिताम्बर सिंह सक्रिय रहे।

नकली सोना देकर रकम ठगी करने वाले 4 आरोपियों को थाना चांदनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

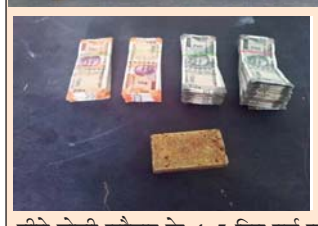

♦भारत टाइम्स♦

अजहर अंसारी /सूरजपुर

दिनांक 16.03.2026 को ग्राम दरीपारा थाना झिलमिली निवासी बालरूप गुप्ता ने थाना चांदनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते होली त्यौहार के 4-5 दिन पूर्व ग्राम पपराखांड सावारांवा के सोनू के द्वारा बताया गया कि 2 मोबाईल नंबर से उसके मोबाईल में फोन आता है कि उक्त व्यक्ति के पास सोना है खरीदने के लिए बोल रहा है तब यह बोला ठीक है यह सोना खरीद लेगा चलो देखवा दो तब दिनांक 06.03.2026 को यह सोनू के साथ सोना लेने के लिए सेम्पल देखने बिहारपुर नवाटोला गया था जहां 2 व्यक्ति मिले और इन्हे जो सोना दिखाये उसी में से छोटा टुकडा सोना काट कर सोना का सैम्पल दिये। दोनो व्यक्ति आवेदक का मोबाईल नंबर लिये, तब उस सोना को ले जाकर भैयाथान में सोनार के पास चेक कराया तो सोना असली था उसके बाद बातचीत करके दिनांक 11.03.2026 को यह 2 लाख 20 हजार रुपए लेकर एक व्यक्ति के साथ रेडीपहरी चौक ठाडपाथर थाना चांदनी में पहुंचा तो वहां पर वही दोनों व्यक्ति मिले जो कपडे में लपेट कर पीतल को पीटवाकर सोने के बिस्कीट जैसा बनवाकर असली सोना बता कर दिये जिन्हें और 2 लाख 20 हजार रुपए नगद दिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चांदनी में अपराध क्रमांक 28/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने धोखाधड़ी के आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना चांदनी पुलिस ने विवेचना कर सोना खरीदने के लिए बहला-फुसलाकर कमीशन लेने वाले आरोपी अर्जुन देवांगन व मोहन उर्फ सोनू को दबिश देकर पकड़ा जिनसे पूछताछ के आधार पर आरोपी राजेन्द्र यादव व किशोरी लाल यादव को भी पकड़ा गया। पूछताछ पर चारों ने धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर ठगी की रकम 1 लाख 24 हजार रुपए नगद बरामद किया गया। इस मामले में आरोपी अर्जुन देवागंन पिता नधीर देवागंन उम्र 35 वर्ष सा. मसनकी थाना ओडगी, मोहन उर्फ सोनू पिता नोहरसाय उम्र 29 वर्ष ग्राम सावारांवा दर्री घटिया पपडाखांड थाना ओडगी, राजेन्द्र यादव पिता स्व. शीतल प्रसाद उम्र 46 वर्ष ग्राम कर्री चौकी बलंगी थाना रघुनाथनगर जिला बलरामपुर एवं किशोरी लाल यादव पिता नानदाउ यादव उम्र 42 वर्ष सा. कर्री चौकी बलंगी थाना रघुनाथनगर को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चांदनी आर.पी.साहू, एएसआई क्षेत्रपाल सिंह, प्रधान आरक्षक भूपेन्द्र सिंह पोर्ते, आरक्षक मंजीत कुमार, मंगलसाय, रूप प्रसाद राजवाड़े, मुकेश साहू व आलोक सिंह सक्रिय रहे।

पुनर्वासित युवाओं के लिए दो दिवसीय बौद्धिक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम शुरू

♦भारत टाइम्स♦

सुकमा/ ज्ञानेंद्र सिंह चौहान

38 युवा बस से रायपुर के लिए रवाना

जिले के पुनर्वासित युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके आत्मविश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से सुकमा जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। कलेक्टर श्री अमित कुमार स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ह्लनियद नेल्लानारह्व कार्यक्रम के तहत युवाओं के लिए दो दिवसीय बौद्धिक एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान युवा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और अन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत जिले के पुनर्वासित युवाओं को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली से परिचित कराने, उनके ज्ञान का विस्तार करने तथा समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में बुधवार को नोडल अधिकारियों के साथ कुल 38 प्रतिभागियों को ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा (रायपुर) के लिए रवाना किया गया। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को राजधानी रायपुर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का शैक्षणिक दौरा कराया जाएगा। इसमें मंत्रालय, विधानसभा, जंगल सफारी, आदिवासी संग्रहालय, विज्ञान केंद्र, स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, सिटी सेंटर मॉल तथा पुरखौती मुक्तांगन जैसे स्थान शामिल हैं। इन स्थलों के भ्रमण से युवाओं को शासन व्यवस्था, आधुनिक विकास, विज्ञान एवं संस्कृति से जुड़े विविध पहलुओं को समझने का अवसर मिलेगा।

जिला प्रशासन की यह पहल पुनर्वासित युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है, जिससे उन्हें नए अवसरों की जानकारी मिलने के साथ-साथ अपने जीवन को बेहतर दिशा देने की प्रेरणा भी प्राप्त होगी।

थाना पोलमपल्ली क्षेत्र अन्तर्गत जंगल पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की आसूचना के आधार पर जिला सुकमा DRG टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू

♦भारत टाइम्स♦

सुकमा/ ज्ञानेंद्र सिंह चौहान

पुलिस अधीक्षक, जिला सुकमा श्री किरण चव्हाण ने बताया कि जिला सुकमा के थाना पोलमपल्ली क्षेत्र अन्तर्गत जंगल पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की आसूचना के आधार पर जिला सुकमा DRG टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

सर्च अभियान के दौरान दिनांक 29/03/2026 के प्रातः से सुकमा DRG की टीम और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई है। मुठभेड़ स्थल का सर्च करने पर 01 पुरुष माओवादी का शव हथियार सहित बरामद हुआ हैं।

पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज श्री सुन्दरराज पट्टलिंगम ने कहा कि माओवादी कैडरों के सामने आत्मसमर्पण और पुनर्वास का अवसर अब अपने अंतिम चरण में है तथा इसे अपनाने के लिए उनके पास बहुत सीमित समय शेष है। उन्होंने अपील की कि माओवादी कैडर इस अवसर का समझदारी से लाभ उठाएं, हिंसा के मार्ग को त्यागें और समाज की मुख्यधारा में लौटकर एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की शुरूआत करें ।

मुठभेड़ में मार गिराए गए माओवादी कैडर की प्रोफाइल :

PPCM मूचाकी कैलाश
निवासीः पूलनपाड़ थाना चिंतलनार जिला सुकमा।
रैंक : प्लाटून नं 31 सेक्शन कमांडर ढढउट।
इनाम राशिः ?05 लाख
आरोपः नागरिक हत्याएँ, हमले, क्एऊ ब्लास्ट की साजिश में वांटेड।

माधोपुरिया मौहल्ला गणगौर महोत्सव

महेंदी राचण लागी हाथां में ईशरजी के नाम री

हल्दी लगाकर गौराजी के लड़ाए लाड, भजन संध्या में झूमे

♦भारत टाइम्स♦

प्रवीन मंगल/ ब्यावर

बोलावनी सोमवार को माधोपुरिया मौहल्ला में भक्ति एवं श्रद्धा के आयोजित हो रहे गणगौर महोत्सव में लखदातार बाबा श्याम का नयनाभिराम श्रृंगार करके,अखंड ज्योत प्रज्जवलित की गई। भजन गायक गोपाल वर्मा,निशांत मंगल,पवन सोनी,विजय मंडोरा ने गणेश वंदना के साथ देने वाले श्याम प्रभु तो धन और दौलत क्या मांगे.....म्हारा श्याम रंगीला....भोले शंकर चले कैलाश की बूंदिया गिरने लगी....ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया....महेंदी राचण लागी हाथां में ईशरजी रे नाम री....आदि सुमधर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तो को भाव विभोर कर दिया। महिलाओं ने मैया गौरजा के हल्दी लगाकर चढ़ गई हल्दी बंध गये कंगना,ईशरजी चले के गौरजा के अंगना आदि गीत गाकर लाड चाव किया। गणगौर महोत्सव के प्रवक्ता महेंद्र सलेमाबादी ने बताया कि दिनांक 30 मार्च सोमवार ईशर गणगौर की भव्य बोलावणी का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। माधोपुरिया मौहल्ला उत्सव स्थल से ईशर गणगौर सहित विभिन्न देव प्रतिमाओं को गाजे बाजे के साथ अजमेरी गेट ले जाकर पानी पिलाने की परंपरा का निर्वहन किया जायेगा, अजमेरी गेट से सजी धजी बारात के साथ ईशर गणगौर को महादेव जी छत्री तक लाया जायेगा, जहाँ फेरे सम्पन्न होंगे। बोलावणी कार्यक्रम में जयपुर के अशोक बैंड,डांगी एंड पार्टी जयपुर एवं रिया एंड पार्टी की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

भजन संध्या में पधारे अतिथि दौलेश बंसल,धर्मेंद्र अग्रवाल,संजय सोलीवाल,लोकेश गर्ग,नाथुलाल सलेमाबादी,माधोपुरिया पंचायत अध्यक्ष नितेश गोयल,उपाध्यक्ष राजेन्द एन अग्रवाल,मंत्री सतीश गर्ग,मनीष जिंदल,नरेश गुप्ता,दीपक गुप्ता,दिलीप सोलीवाल एवं जितेंद सोलीवाल का समिति के महेंद्र गर्ग, श्याम सिंघल,सुंदर बाबेल,रमेश अरोड़ा, चंद्रप्रकाश अरोड़ा,किशोर अग्रवाल,गोविंद गोयल,रमेश गोयल,तिलक बाबेल, पार्थ लोहिया,आयुष लोहिया,डोनेश शर्मा एवं सौरभ जयपाल ने दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर नूतन सोलीवाल, सुमन गर्ग,सरोज जिंदल,रेणु बंसल,रुपाली जयपाल, हनी अग्रवाल,अर्चना लोहिया,लक्ष्मीकांता शर्मा,ममता लोहिया,कृष्णा गोयल सहित महिलाएं उपस्थित थी।

नगर में 21 फिट रावण का पुतला दहन,के बाद किया श्रीराम का राज्याभिषेक

♦भारत टाइम्स♦
फिरदौस खान आगर

नवरात्री पर्व समापन के बाद नगर में बरसों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन इस बार भी चैत्र मास दशहरे पर की शाम को रावण के पुतला दहन किया गया। इसके पुर्व बालक के रुप में हनुमान के वस्त्र धारण कर नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण किया गया। और दुकानों पर पहुंचे हनुमान ने मिठाई खाई,तो कई स्थानों पर गोली चाकलेट खाकर बच्चों को मनोरंजन करवाया गया। गौरतलब है कि तनोडिया नगर में शारदीय नवरात्रि पर रावण के मिट्टी से बने पुतले को पत्थरों से मारने की वर्षों पुरानी परंपरा है। चैत्र पक्ष रामनवमी के दुसरे दिन रावण का दहन किया जाता है। जिसमें शनिवार की शाम को नगर में हनुमान बनकर पुरे नगर में भ्रमण किया गया।उनके पिछे बच्चों की सेना उनके पिछे पिछे दौड़ लगाते हुए चल रही थी। इसके बाद शाम साढ़े 7 बजे बडा मंदिर से भगवान श्रीराम लक्ष्मण की शौभायात्रा भंजन किर्तन के साथ प्रारंभ हुई ,जो मस्जिद चौक, रामलीला चौक,सदर बाजार,नाका चौक होते हुए उज्जैन रोड स्थित तनोडिया दशहरा मैदान पहुंची जहां श्रीराम बाण चलाकर आतिशबाजी के साथ रावण का दहन किया गया। इसके बाद शौभायात्रा यात्रा पुनः रामलीला चौक रात्रि 9 बजे पहुंचीं। जहां मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक कर महाआरती की गई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। शौभायात्रा में राव राजेन्द्र सिंह दरबार,पुर्व मंडी उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौर, देवेन्द्र सिंह राठौर,ओमप्रकाश पालीवाल,माधवसिंह राठौर, सौदान सिंह राठौर, दिनेश कोठारी, अर्जुनसिंह राठौर,बाबु प्रजापत,ओम शर्मा, कमलकिशोर शर्मा,सत्यनारायण शर्मा, भवंरसिंह राठौर, डॉ राहुल जैन, भगवानदास बैरागी, सतीश शर्मा,बड़ी संख्या में नगरवासियों उपस्थित रहें।

शाजापुर में आपसी भाईचारे और सम्मान की एक सुंदर मिसाल देखने को मिली

♦भारत टाइम्स♦
फिरदौस खान आगर

संपूर्ण गोहिल हॉस्पिटल के संचालक एवं कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह गोयल जी ने नवनियुक्त शहर काजी जनाब रहमत उल्ला साहब (प्यारे मियां) के निवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने साफा बांधकर एवं पुष्पमालाओं से उनका आत्मीय स्वागत-सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य नागरिकों में काजी एहसान उल्ला, हाजी हबीब कुरैशी, याकूब खान, अबसार अहमद खान, इरशाद खान एवं बाबू भाई (एरिगेशन) शामिल रहे। इस मौके पर सभी ने शहर में अमन, शांति और भाईचारे को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

बेलन्दूर में वेंकटेश्वर भगवान का ब्रह्म रथोत्सव एवं करगा, जातरा महोत्सव आयोजित

♦भारत टाइम्स♦**बेंगलुरु**

वर्षों पुरानी परंपरा अनुसार चैत्र शुक्ला एकादशी को मनाया जाने वाला बेलन्दूर जातरा एवं रथोत्सव आज रविवार को वेंकटेश्वर भगवान का ब्रह्म रथोत्सव एवं जातरा (मेला) हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। सम्पूर्ण ग्राम को रंग-बिरंगी रोशनी, भगवा ध्वज एवं पताकाओं से सजाया गया। प्रातः वेंकटेश्वर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद उत्सव प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजमान कर ग्रामवासियों द्वारा गोविंदा गोविंदा के जयघोष के साथ मुख्य बाजार तक ग्रामवासियों द्वारा रथ खींचकर लाया गया जहां सम्पूर्ण ग्रामवासियों ने भगवान की पूजा अर्चना के साथ दर्शनलाभ लिया। भगवान की पूजा-अर्चना के साथ दर्शन कर खुशहाली की कामना की। गांव के करीब इक्कीस मंदिरों में विराजित देवताओं की देर सायं पलक्की निकाली जाएगी जो फूलों की कलाकृति से सुसज्जित होगी। मेला रविवार सायं से पूरी रात भर आयोजित होगा मुख्य बाजार में सड़क के दोनों तरफ खिलौने, प्रसाद, कृत्रि२म पुष्प-माला सहित अनेक दुकाने फुटपात पर लगी हैं, जहां आस-पास के गांवों के हजारों लोगों का हुजूम उमड़ता है वहीं रात को करगा निकाला जाता हैं। जातरा महोत्सव को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। इस मौके भाजपा नेता मिथुन रेड्डी, बाबुरेड्डी, भाजयुमो जिला महामंत्री राजेश मुदाली, नवीन रेड्डी, बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ के भूपेश कश्यप, बाबूलाल राठौड़, सुखाराम चोयल, अरुण शर्मा, थानाराम, प्रकाश भायल, कल्याणराम सहित कई लोग उपस्थित थे।

वृहद विधिक जागरूकता शिविर में दिव्यांगों एवं आमजन को मिला लाभ

♦भारत टाइम्स♦
फिरदौस खान आगर

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगर मालवा द्वारा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री डी.एस. चौहान के मार्गदर्शन में शनिवार को सामुदायिक भवन गांधी उपवन, आगर मालवा में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से वृहद विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा आमजन की समस्याओं के निराकरण हेतु

मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री नीतिराजसिंह सिसौदिया उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अश्विनी सिंह, एसडीएम सुसनेर श्रीमती किरण बरबडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजीव गुप्ता, जिला श्रम पदाधिकारी श्री बी.एल. राठौर तथा अध्यक्ष अधिवक्ता संघ श्री सुरेन्द्र मारू मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया तथा अतिथियों का स्वागत पौध वितरण कर किया गया।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अश्विनी सिंह ने महिलाओं एवं आमजन को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा, भरण-पोषण संबंधी प्रावधानों सहित विभिन्न कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। साथ ही नालसा द्वारा संचालित आशा योजना, तस्करी एवं वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवा योजना तथा एसिड अटैक पीड़ित सहायता योजना के बारे में भी अवगत कराया।

मुख्य अतिथि श्री नीतिराज सिंह सिसौदिया ने कहा कि कानून की जानकारी होने से अधिकांश कानूनी समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों एवं सुरक्षा से संबंधित कानूनों की जानकारी प्राप्त कर सशक्त बनने का आह्वान किया तथा बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। शिविर में विधिक जागरूकता प्रदर्शनी एवं हेल्पडेस्क भी स्थापित किया गया, जहां पैरालीगल वालेंटियर्स एवं पैनल अधिवक्ताओं द्वारा निःशुल्क विधिक सलाह प्रदान की गई। सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से दो दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल वितरित की गई।

कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री फारूक अहमद सिद्दीकी ने किया तथा आभार प्रदर्शन पैनल अधिवक्ता श्री राजेश नागदिया द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से सताधार फोरलेन फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया

◊ **नारणपुरा से साइंस सिटी की ओर जाने वाले मार्ग पर सताधार चार रास्ते पर लगभग 90 करोड़ रुपए के खर्च से फोरलेन फ्लाईओवर ब्रिज बनने से वाहन चालकों में खुशी का माहौल**

♦भारत टाइम्स♦**गांधीनगर**

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से रविवार को अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र में स्थित सताधार जंक्शन पर नवनिर्मित फोरलेन फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री श्री नव-लोकार्पित फ्लाईओवर ब्रिज पर से गुजरकर अपने अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हुए। नारणपुरा से सोला साइंस सिटी की ओर जाने वाले मार्ग पर सताधार चार रास्ते पर अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा लगभग 90 करोड़ रुपए के खर्च से फोरलेन फ्लाईओवर ब्रिज बनाया

गया है। 936 मीटर लंबाई और 16.60 मीटर चौड़ाई वाला यह फ्लाईओवर ब्रिज बनने से ट्रैफिक की समस्या में काफी बड़ी राहत मिलेगी। सताधार फ्लाईओवर ब्रिज के लोकार्पण से वाहन चालकों में खुशी का माहौल देखा गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा सताधार जंक्शन पर फ्लाईओवर बनाने का सुझाव दिया गया था तथा ओवरब्रिज के लिए ह्यस्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजनाह्न अंतर्गत अनुदान आवंटित किया गया था।

इस अवसर पर शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, स्थानीय विधायक, अहमदाबाद महानगर पालिका के प्रशासक श्री मुकेश कुमार, आयुक्त श्री बंछानिधि पाणी, उच्च अधिकारी, अहमदाबाद महानगर पालिका के पूर्व पदाधिकारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सिंगरौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: फर्जी सिम एक्टिवेट करने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

♦भारत टाइम्स♦**सिंगरौली**

सिंगरौली पुलिस ने ऑपरेशन फेस के तहत फर्जी सिम एक्टिवेट करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी की है। पुलिस अधीक्षक श्री मनीष खत्री के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने अनिल कुमार रवानी और सिराज खान उर्फ शेरु को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने अपनी माता के चेहरे का उपयोग कर लगभग 340 सिम कार्ड एक्टिवेट किए थे और उन्हें पैसों के लालच में बेच दिया था।

अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान में सिंगरौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

सिंगरौली पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया, जिसमें 112 प्रकरण दर्ज कर 1 लाख से अधिक की शराब जप्त की गई। पुलिस अधीक्षक श्री मनीष खत्री के निर्देशन में जिले के समस्त थाना और चौकी क्षेत्रों में सघन कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार की अवैध शराब जप्त की गई, जिसमें देशी शराब, विदेशी शराब और अवैध कच्ची/हाथ भट्ठी शराब शामिल है।

जानलेवा जाम से जूझता कानपुर, एंबुलेंस फंसने से मरीज पहुंचा मौत के करीब,भर्ती

♦भारत टाइम्स♦
सुनील बाजपेई/कानपुर।

जगह-जगह पर भीषण जाम की समस्या ने आज रविवार को एक मरीज की जिंदगी खतरे में डाल दी। मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती होने के पहले तक भीषण जाम के रूप में यह मौत मरीज के सामने नाचती हुई नजर आई। जाम में फांसी एंबुलेंस को बड़ी मुश्किल से बाहर निकालने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया जा सका।

यह जानलेवा हालत तब पैदा हुए जब जीटी रोड पर मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल के सामने अतिक्रमण अभियान के चलते रविवार दोपहर लगभग 2 किलोमीटर तक भीषण जाम लग गया। मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल से लेकर गुरुदेव चौराहे तक लंबे जाम में वाहन रेंगते रहे। इसमें कई एंबुलेंस फंसी रही। जानकारी के मुताबिक एंबुलेंस में गंभीर रूप से बीमार बुजुर्ग रामकृष्ण को बिल्हौर से कानपुर रेफर किया गया था, डेढ़ घंटे तक जाम में मरीज तड़पता रहा और इस दौरान परिजन परेशान हो गए। आक्सीजन के सहारे महज 2 से 3 किमी. का सफर तय करने में डेढ़ घंटे से ज्यादा का समय लग गया और मरीज की जान सांसत में फंस गई। करीब डेढ़ घंटे बाद परिवार के लोग मरीज को मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल में आकर भर्ती कराया। अवगत कराते चलें कि इसके पहले भी जाम की समस्या और भी कई मरीजों की असमय मौत का कारण बन चुकी है।

सुबह-ए-बनारस में भक्ति और कथक की अनुपम प्रस्तुति, कलाकारों ने मोहा दर्शकों का मन

♦भारत टाइम्स♦
संजय यादव। वाराणसी।

चैत्रमास के नवरात्रि शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि में रविवार को सुबह-ए-बनारस के अंतर्गत घाट संध्या कार्यक्रम में के प्रथम चरण में मुंबई से पधारे कलाकार नरेंद्र मोहन चक्रवर्ती एवं विदुषी सुरेखा जोशी ने राम सुमिर राम सुमिर अर्धनारीश्वर स्तोत्र प्रभु जी तुम चंदन में पानी कहत कबीर सुमित भाई साधु जैसे भजन को अपने मुखारविंद से प्रस्तुत करके दर्शकों के हृदय को मंत्र मुग्ध किया। संगत कलाकार के रूप में तबले पर जयेश सोहनी पखावज पर सनद दल्वी संवादिनी पर ऋतिक शुक्ला उपस्थिति रहे। संगत कलाकारों ने वाद्ययंत्र के माध्यम से कार्यक्रम चार चांद लगाए।द्वितीय चरण में बेंगलुरु से पधारी वरिष्ठ कलाकार एवं गुरु पापिया भौमिक शर्मिष्ठा इवा उत्तर भारत का प्रसिद्ध कथक नृत्य की प्रस्तुति का शुभारंभ पद्म विभूषण से सम्मानित पंडित बिरजू महाराज जी की रचना एवं नृत्य निर्देशन में शिव स्तुति विलंबित तीन ताल ठुमरी एवं सारंग से समापन किया।कार्यक्रम का संयोजन सुबह-ए-बनारस के सचिव एवं संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा ने किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केशरी सिंह ने किया।समस्त कलाकारों को प्रमाण पत्र एवं धन्यवाद ज्ञापन श्याम कुमार केशरी ने किया।कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केशरी ने किया।इस अवसर पर भारी संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे।

भगतलीला प्रशिक्षण का हुआ समापन:अब जम कर बजेगा ब्रज के लोकनाट्य भगतलीला का नक्कारा

◊ **वलुप्तीकरण के कगार पर खड़े ब्रज के लोकनाट्य भगतलीला और इसके अखाड़ों को संजीवनी मिली है- आचार्य डॉ. खेमचन्द यदुवंशी**

♦भारत टाइम्स♦**मथुरा**

सँस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज द्वारा गुरुशिष्य परम्परा प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत ब्रज के लोकनाट्य भगतलीला के षठमासिक प्रशिक्षण शिविर का आज श्री1008 दिगम्बर जैन चौरासी केम्पस के सुरेश बाबू हॉल में वरिष्ठ रंग आचार्य डॉ. मुकेश शर्मा की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक समापन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं गीता शोधसंस्थान व रासलीला अकादमी,

वृन्दावन के कोर्डिनेटर चन्द्रप्रताप सिकरवार मंचासीन रहे। विशिष्ट अतिथि थे वरिष्ठ संगीतज्ञ अशोक कुमार नीलेश व लालदरवाजा भगत-सांगीत अखाड़ा के खलीफा ओम प्रकाश कुशवाह। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्रशिक्षु कलाकार गोपाल चतुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना- जय जय गणेश गणराज आपको प्रथम मनाते हैं से हुआ तथा कन्हैया लाल राजपूत द्वारा योगिराज भगवान श्रीकृष्ण की वन्दना प्रस्तुत कर इष्टदेवों को नमन किया।

तदोपरान्त उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ लोकनाट्यविद आचार्य डॉ. खेमचन्द यदुवंशी ने लोकनाट्य भगतलीला (भगत-सांगीत) के इतिहास व छन्द विधान पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण शिविर के बारे में बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से 6 माह के अंतर्गत 8 शिष्य व शिष्याओं को इस विधा के ऐतिहासिक पक्ष की जानकारी के साथ साथ गायन,वादन,अभिनय और प्रस्तुतिकरण की बारीकियों में पारंगत किया गया है जिससे विलुप्तीकरण के कगार पर खड़े ब्रज के लोकनाट्य को संजीवनी मिली है, और अब जमकर बजेगा लोकनाट्य भगतलीला का नक्कारा।

समापन अवसर पर प्रसगिक्षणार्थी गोपाल चतुर्वेदी,कन्हैया लाल राजपूत,बाँके लाल पाण्डेय,अल्ताफ राजा, कन्हैया लाल पाण्डेय, कामिनी पाठक,रेखा उपाध्याय,शिखा पाठक ने भगत शैली के छंदों- दोहा, चौबोला,दौड़,लावनी, बहर-ए-तबील,लँगड़ी लावनी,कड़ा,शिकिस्त, रंगत-ए-तबील,माड,रेख्ता, वशीकरण,कलिंगड़ा,दुबोला,वशीकरण,ख मशा आदि को विभिन्न रागों में निबद्ध कर गायन किया जिससे उपस्थित जनसमूह परम्परागत भगतलीला की प्राचीन धुनों को सुनकर झूम उठा। हारमोनियम पर सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ राजू बाबू तथा ढोलक पर अमर नागर ने संगत प्रदान की। समापन समारोह का संचालन आकशवाणी के उद्घोषक डॉ. दीपक गोस्वामी ने किया तथा ऋतुराज यदुवंशी ने एन सी जेड सी सी प्रयागराज व सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च को साणंद में सेमीकंडक्टर ओएसएटी प्लांट का उद्घाटन करेंगे

◊ **केन्स सेमीकॉन द्वारा साणंद में 3300 करोड़ रुपए के खर्च से प्लांट का निर्माण, भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को मिलेगी गति**

◊ **साणंद आज ग्लोबल मैप पर सेमीकंडक्टर हब के रूप में उभर रहा है, यह दशक भारत के टेक फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होगा : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी**

♦भारत टाइम्स♦**गांधीनगर**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च, 2026 को साणंद में केन्स सेमीकॉन की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का शुभारंभ करेंगे। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत इस प्रोजेक्ट को केंद्रीय कैबिनेट ने 23 सितंबर, 2024 को स्वीकृति दी थी। 3300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से साणंद में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और अधिक मजबूत

होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास से यह दशक टेक फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास के लिए काफी तेजी से काम हो रहा है। माइक्रोन प्लांट के शुभारंभ के बाद केन्स सेमीकॉन की ओएसएटी सुविधा के शुरू होने से स्थानीय आर्थिक विकास को और गति मिलेगी। ओएसएटी यानी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट प्लांट में चिप की टेस्टिंग और पैकेजिंग करके उसे मार्केट तक पहुंचाने का काम पूरा किया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, 31 मार्च को शुरू होने वाले इस प्लांट में प्रतिदिन 60 लाख चिप्स का उत्पादन होगा।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग : बरसों का काम 900 दिनों में हुआ पूरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी, 2016 को माइक्रोन सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रोजेक्ट की गतिशीलता पर जोर देते हुए कहा, जून 2023 में इस फैसिलिटी के लिए एमओयू साइन हुआ। सितंबर में शिलान्यास हुआ और आज फरवरी 2026 में कमर्शियल प्रोडक्शन भी शुरू हो गया। दुनिया के विकसित देशों में भी ऐसी मंजूरियों और प्रक्रियाओं में वर्षों निकल जाते हैं, लेकिन भारत ने इस असंभव कार्य को केवल 900 दिनों में पूरा कर दिखाया है। जब नीयत साफ हो और निष्ठा देश के तेज विकास के प्रति हो, तब नीति भी स्पष्ट बनती है और निर्णयों में भी गति आ ही जाती है।

साणंद : ऑटो हब से लेकर सेमीकंडक्टर हब तक

साणंद के औद्योगिक विकास में बहुत ही छोटी अवधि में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन के साथ ही सीजी सेमी द्वारा भी यहां प्लांट स्थापित किया जा रहा है। ऑटोमोबाइल हब के रूप में विख्यात साणंद, अब भारत के प्रथम चिप पैकेजिंग क्लस्टर और वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। ताइवान के सिंशु शहर और दक्षिण कोरिया के ग्योंगी शहर के समान भारत में साणंद सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित हो रहा है।

हमारा लक्ष्य केवल फैक्ट्री स्थापित करने तक सीमित नहीं है : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कहा, हमारा लक्ष्य केवल एक फैक्ट्री स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण इकोसिस्टम बनाना है। भारत अब सेमीकंडक्टर की पूरी वैल्यू चेन पर फोकस कर रहा है, जिसमें डिजाइन इंजीनियर से लेकर मशीन निमार्ता और लॉजिस्टिक्स तक के सभी स्तर शामिल हैं। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की घोषणा इसी दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, वैसे-वैसे भारत में ही मटेरियल और कंपोनेंट्स की मांग बढ़ेगी, जो स्थानीय उद्योगों के लिए सबसे बड़ा अवसर बनेगी। भारत अब इस वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का बहुत ही अहम हिस्सा बन रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कोविड के मुश्किल दौर में बोए गए बीज आज वटवृक्ष बनकर फल दे रहे हैं और अब तक सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के अंतर्गत 10 बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, जिसमें चार प्रोजेक्ट गुजरात में हैं ।

सरकारी स्कूलों पर गहराता संकट, निजीकरण का बोलबाला

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। पिछले एक दशक में लगभग 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जबकि इसी अवधि में 51 हजार से अधिक निजी स्कूल खुल गए हैं। यह स्थिति न केवल सरकारी शिक्षा प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है बल्कि बढ़ते निजीकरण के कारण उत्पन्न सामाजिक असमानता को भी सामने लाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21अ के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह अधिकार धीरे-धीरे कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। साल 2014-15 से 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या 11,07,101 से घटकर 10,17,660 रह गई, यानी लगभग 89,441 स्कूल कम हो गए, जबकि निजी स्कूलों की संख्या 2,88,164 से बढ़कर 3,31,108 हो गई। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए चिंताजनक है, जहां गरीब और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए शिक्षा तक पहुंच लगातार कठिन होती जा रही है।

सरकारी स्कूलों के संकट का एक प्रमुख कारण स्कूल मर्जर नीति है, जिसके तहत कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों

को बड़े स्कूलों में मिला दिया जाता है। इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच कठिन हो गई। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हजारों स्कूल बंद हुए हैं, जो कुल बंदी का बड़ा हिस्सा हैं। इसके अलावा, शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और मिड-डे मील जैसी योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन न होना भी नामांकन में गिरावट के प्रमुख कारण हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कुछ प्रावधान, जैसे एकल शिक्षक स्कूलों को हतोत्साहित करना भी इस प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में नामांकन में भारी कमी आई है। जबकि निजी स्कूलों में छात्रों की संख्या तेजी से बढ़ी है। गरीब परिवारों के बच्चे अब मजबूरन निजी स्कूलों की ओर रुख कर रहे हैं लेकिन ऊंची फीस उनके लिए बड़ी बाधा बन जाती है।

निजी स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है और शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। हालांकि यह वृद्धि कई चिंताएं भी पैदा करती है। निजी स्कूलों में फीस में भारी वृद्धि देखी जा रही है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। शिक्षा का यह बढ़ता निजीकरण उसे एक सामाजिक सेवा से अधिक एक व्यापार में बदलता जा रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित हैं, लेकिन इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा है, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी हो रही है। एक ओर संपन्न वर्ग बेहतर संसाधनों और सुविधाओं वाले निजी स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करता है, वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग सीमित संसाधनों वाले सरकारी स्कूलों तक ही सीमित रह जाता है।

इस असंतुलन का सीधा प्रभाव ड्रॉपआउट दर पर भी पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरियों की है। इसके पीछे गरीबी, बाल श्रम, परिवार का प्रवास, स्कूलों की दूरी और सुरक्षा की कमी जैसे कई कारण जिम्मेदार हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाता है। जब परिवार निजी स्कूलों की फीस वहन नहीं कर पाते और आसपास सरकारी स्कूल उपलब्ध नहीं होते तो बच्चों का शिक्षा से बाहर होना लगभग तय हो जाता है। यह स्थिति आने वाले समय में बेरोजगारी और सामाजिक असमानता को और अधिक बढ़ा सकती है।

शिक्षा का निजीकरण केवल शैक्षिक समस्या नहीं है बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहराता है। जब सभी वर्गों को समान शिक्षा के अवसर नहीं मिलते, तो समाज में अवसरों का असंतुलन बढ़ता जाता है। भारत में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 3 प्रतिशत ही खर्च किया जाता है, जबकि इसे 6 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य अभी भी अधूरा है। इसका प्रभाव महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार के अवसरों और देश के समग्र आर्थिक विकास पर पड़ता है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो यह लोकतंत्र के लिए भी खतरा बन सकती है क्योंकि एक शिक्षित समाज ही जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करता है।

स्कूल मर्जर नीति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे स्कूलों को संरक्षित किया जाना चाहिए। रिक्त शिक्षक पदों को शीघ्र भरा जाए और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय, स्वच्छ पेयजल और डिजिटल संसाधन सुनिश्चित किए जाएं।

आज का राशिफल

आज का राशिफल

ग्रहों की चाल को देखते हुए कुछ राशियों के जीवन में खुशियों का आगमन होगा

मेष : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने के संकेत दे रहा है। सुबह से ही काम में तेजी बनी रहेगी। जो काम पिछले कुछ दिनों से रुके हुए थे, उनमें आज आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। नौकरी करने वालों को राहत मिलेगी। ऑफिस में आपकी बात सुनी जा सकती है। घर का माहौल भी सामान्य रहेगा। पैसों के मामले में स्थिति पहले से बेहतर लग रही है।

वृषभ : आज आपको थोड़ा धैर्य रखने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला बाद में परेशानी दे सकता है। ऑफिस में काम का दबाव रहेगा, लेकिन दिन के अंत तक चीजें संभल जाएंगी। परिवार में किसी सदस्य के साथ जरूरी बात हो सकती है। खर्च बढ़ने के संकेत हैं, इसलिए सोच-समझकर पैसा खर्च करें।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए दिन अच्छा रह सकता है। काम में नए मौके मिल सकते हैं। अगर आप किसी नए काम की शुरूआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। कारोबार में छोटी लेकिन अच्छी सफलता मिल सकती है। परिवार में हल्का-फुल्का माहौल रहेगा।

कर्क : आज घर-परिवार की जिम्मेदारियां ज्यादा रह सकती हैं। मन थोड़ा भावुक रह सकता है। नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी। पैसों को लेकर कोई बड़ा फैसला लेने से पहले एक बार सोच लें।

सिंह : आज का दिन आपके लिए राहत और सफलता दोनों लेकर आ सकता है। नौकरी में अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। कारोबार में अच्छा लाभ हो सकता है। किसी पुराने काम में सफलता मिलने के संकेत हैं। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए दिन कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। नौकरी में मेहनत का असर दिखेगा। कारोबार करने वालों को लाभ मिल सकता है। परिवार में सामान्य माहौल रहेगा।

तुला : तुला राशि वालों के लिए आज मेहनत का दिन है। काम ज्यादा रहेगा, लेकिन उसका अच्छा नतीजा भी मिल सकता है। छात्रों के लिए समय ठीक है। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता की जरूरत नहीं है।

वृश्चिक : आज नए अवसर सामने आ सकते हैं। नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारी की चर्चा हो सकती है। कारोबार में लाभ के संकेत हैं। परिवार के लोगों के साथ समय अच्छा बीतेगा। खर्चों को लेकर थोड़ा सावधान रहें।

धनु : आज का दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। कामकाज में संतुलन बना रहेगा। ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। खर्च थोड़ा बढ़ सकता है, इसलिए बजट पर ध्यान दें।

मकर : आज का दिन व्यस्त रह सकता है। काम का दबाव रहेगा, लेकिन आप उसे अच्छे से संभाल लेंगे। कारोबार में लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के किसी सदस्य की सलाह आपके काम आ सकती है। शाम को थोड़ा आराम करने की जरूरत महसूस होगी।

कुंभ : आज भाग्य आपका साथ दे सकता है। लंबे समय से जिस काम के पूरे होने का इंतजार था, उसमें आज प्रगति हो सकती है। यात्रा के योग बन सकते हैं। आर्थिक मामलों में राहत मिलने की संभावना है।

मीन : मीन राशि वालों के लिए आज राहत भरा दिन रह सकता है। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। नौकरी और कारोबार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत हैं। परिवार में शांति बनी रहेगी। मन भी हल्का महसूस होगा।

हैप्पीनेस इंडेक्स के नाम पर भारत से छल!

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक स्तर पर किसी देश की प्रगति को लंबे समय तक उसकी आर्थिक ताकत, विशेषकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से मापा जाता रहा है, किंतु बदलती वैश्विक सोच ने तथ्यों एवं आंकड़ों से समझाया कि आर्थिक वृद्धि ही मानव जीवन की गुणवत्ता और संतुष्टि का पूर्ण मापदंड नहीं हो सकती। इसी दृष्टिकोण से विश्व खुशी रिपोर्ट का जन्म हुआ, जिसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन-संतोष को मापना है। इस साल की रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई है, जिसमें भारत के साथ छल किया जाना स्पष्ट दिखाई देता है। भारत को 116वां स्थान दिया गया है, जबकि वह तीव्र आर्थिक प्रगति के दौर से गुजर रहा है।

यहां हम देखते हैं कि ह्लविश्व खुशी रिपोर्टह्व भारत की रैंकिंग पिछले कुछ वर्षों में सीमित सुधार ही दशार्ती है, उदाहरण स्वरूप : 2021 में 139, 2022 में 136, 2023 और 2024 में 126 और अब 2026 में 116वां स्थान। अब इस संख्या को गहराई से देखें तो यह आंकड़ा का सुधार भारत के संदर्भ में बहुत ही सतही प्रतीत होता है, क्योंकि देश की आर्थिक और सामाजिक उपलब्धियों के अनुपात में यह प्रगति अत्यंत धीमी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि खुशी सूचकांक और वास्तविक विकास के बीच एक गहरी खाई मौजूद है, जिसे कि विश्व खुशी रिपोर्ट में नहीं बताया गया है। यहीं से इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा होता है और भारत के प्रति इस रिपोर्ट को बनानेवालों की दुराग्रह भावना समझ आती है।

आज विश्व भी इन आंकड़ों को भारत के संदर्भ में नजरअंदाज नहीं कर सकता कि वर्ष 2015 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था 2025 तक बढ़कर 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो गई, जो लगभग 105 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ती है। इस तेजी से भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसका प्रभाव व्यापक सामाजिक बदलावों के रूप में भी सामने आया है। भारत में अत्यधिक गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 2011-12 में 27.1 प्रतिशत रही गरीबी दर 2022-23 में घटकर लगभग 5.3 प्रतिशत रह गई। अनुमानतः 269 मिलियन लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं, जिसमें कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और आवास योजनाओं ने सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि विकास का लाभ समाज के निचले तबकों तक पहुंचा है।

आर्थिक विकास के साथ-साथ आय असमानता में भी गिरावट दर्ज की गई है। शहरी गिनी गुणांक 36.7 से घटकर 31.9 और ग्रामीण गिनी गुणांक 28.7 से घटकर लगभग 27.0 हो गया है। वस्तुतः यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि विकास अपेक्षाकृत संतुलित रहा है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जीवन संतोष में भी वृद्धि होनी चाहिए, किंतु खुशी सूचकांक इस वास्तविकता को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाता। देखा जाए तो इस हैप्पीनेस इंडेक्स का सबसे विवादास्पद पहलू यह है कि भारत कई ऐसे देशों से पीछे है जो गंभीर संकटों से जूझ रहे हैं। इजराइल (8), ईरान (99), इराक (101), फिलिस्तीन (108), पाकिस्तान (109) और यूक्रेन (111) जैसे देश भारत से खुशी के मामले में ऊपर हैं! यही वो तथ्य हैं, जो इस रिपोर्ट के विश्वसनीय होने का संदेह पैदा करते हैं। यह कैसे संभव है कि जिन देशों में युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट व्यापक स्तर पर मौजूद हैं, वे खुशी के मामले में भारत से ऊपर हो जाएं ? वास्तविकता में तो यह असंभव है।

> भारत में अत्यधिक गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 2011-12 में 27.1 प्रतिशत रही गरीबी दर 2022-23 में घटकर लगभग 5.3 प्रतिशत रह गई। अनुमानतः 269 मिलियन लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं, जिसमें कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और आवास योजनाओं ने सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि विकास का लाभ समाज के निचले तबकों तक पहुंचा है। आर्थिक विकास के साथ-साथ आय असमानता में भी गिरावट दर्ज की गई है। शहरी गिनी गुणांक 36.7 से घटकर 31.9 और ग्रामीण गिनी गुणांक 28.7 से घटकर लगभग 27.0 हो गया है। वस्तुतः यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि विकास अपेक्षाकृत संतुलित रहा है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जीवन संतोष में भी वृद्धि होनी चाहिए, किंतु खुशी सूचकांक इस वास्तविकता को पर्याप्त रूप से नहीं दर्शाता

इस संबंध में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के आर्थिक आंकड़े भी देखे जा सकते हैं, जो बताते हैं कि फिलिस्तीन में 80 प्रतिशत बेरोजगारी है। 238 प्रतिशत मुद्रास्फीति और अकाल जैसी स्थिति है। यानी जहां लाखों लोग गंभीर संकट में हैं। यूक्रेन युद्ध के कारण लोग जहां व्यापक जनहानि, विस्थापन और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रही है, वहां इन परिस्थितियों के बावजूद देशों की रैंकिंग भारत से बेहतर! ये कैसे संभव है?

यह भी आश्चर्यचकित कर देनेवाला तथ्य है कि पाकिस्तान में आर्थिक अस्थिरता, बढ़ते आतंकी हमले और उच्च अपराध दर जैसी गंभीर समस्याएं मौजूद हैं। ईरान में सामाजिक दमन, महिलाओं पर प्रतिबंध और राजनीतिक अशांति बनी हुई है। इस वक्त अमेरिका, इजराइल और ईरान युद्ध से पूरा विश्व परेशान है, किंतु इसके बावजूद इन देशों को ह्लहैप्पीनेस इंडेक्सह्व में भारत से ऊपर दशार्या, आज वास्वत में यही बताता है कि इस सूचकांक में शामिल कारक वास्तविक जीवन की कठिनाइयों को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करते।

इस तरह देखें तो इस हैप्पीनेस इंडेक्स की सबसे बड़ी कमी यह है कि इसमें अपराध, आतंकवाद, सामाजिक अशांति और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल नहीं किया गया है, जबकि ये कारक किसी भी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को सीधे प्रभावित करते हैं। यदि कोई समाज सुरक्षित और स्थिर है, तभी वह अपने आप में खुशी का एक महत्वपूर्ण आधार होता है, जिसे यहां इस रिपोर्ट में पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। इसके साथ ही इस हैप्पीनेस इंडेक्स की विश्वसनीयता इसलिए भी संकट में है, क्योंकि इसमें जिस गैलप सर्वेक्षण के अंतर्गत प्रत्येक देश से औसतन 1000 लोगों का नमूना लिया है, उसमें भारत जैसे विशाल देश के लिए ये सर्वेक्षण फिट नहीं बैठता, क्योंकि भारत जैसे देश में क्षेत्रीय, सामाजिक और आर्थिक विविधताएं अत्यधिक हैं, जिन्हें इतने छोटे नमूने में समाहित करना कठिन ही नहीं पूर्णतः असंभव है।

कुल मिलाकर कहना यही है कि जब तक खुशी के मापन में वास्तविक जीवन के सभी महत्वपूर्ण आयामों को शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक यह सूचकांक पूर्ण सत्य का प्रतिनिधित्व नहीं करेगा। भारत का उदाहरण इस बात का प्रमाण है कि आर्थिक प्रगति और वास्तविक जीवन की संतुष्टि के बीच संबंध को समझने के लिए अधिक गहन और संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसका कि फिलहाल इस सर्वेक्षण ह्लहैप्पीनेस इंडेक्सह्व में पूरी तरह से अभाव दिखाई देता है। इसलिए भारतवासियों इस हैप्पीनेस इंडेक्स को देखकर अपने देश की खुशी का अनुमान मत लगा लेना, भारत कल भी पाकिस्तान, फिलिस्तीन, युक्रेन समेत तमाम देशों से प्रसन्नता में आगे था और आज भी है। वास्तविकता में ये रिपोर्ट भारत के लोगों के साथ एक छलावा ही है, इससे अधिक अन्य कुछ नहीं!

संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाले वैश्विक पर्यटन उद्योग के मौजूदा हालात के चलते अतिमंदी के दौर से गुजरने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्य पूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्य पूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते हैं और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है, हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर मौजूदा हालात के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह भारत में भी विदेशी पर्यटकों की आवाजाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है।

एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है।

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटे-से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कूवत रखता है। इसे हम रुस-यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप भी इसी मुगालते में थे कि दो-चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरू कर सकते हैं पर युद्ध शुरू होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा।

युद्ध के चलते हालात ऐसे हो गए हैं कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी के चलते दुनिया के देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रैवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियों के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक-दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे-तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट होते जा रहे हैं।

दरअसल वैश्विक हालात के चलते एक ओर उड़ानें रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना घर कर रही है। ऐसी आशंका होती है कि कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर न रह जाएं। मध्य-पूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाए, कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी भी सहानुभूति रखने वाले देश कब निशाने पर आ जाएं, कहा नहीं जा सकता। मध्य-पूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण हैं। हालात तो यहां तक खराब होने की आशंका है कि मध्य-पूर्व के देशों में पानी का गंभीर संकट हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की आशंकाओं को भी नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक-दूसरे के अहम् के चलते आम आदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम ताक में रख दिए गए हैं और आम नागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है।

कोरोना के दौरान जिस तरह पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हालांकि सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवश्य बढ़ावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं। वर्तमान हालात पर्यटन उद्योग के लिए बेहद चुनौती भरा है, जिसके सामान्य होने के आसार दूर-दूर तक नहीं हैं।

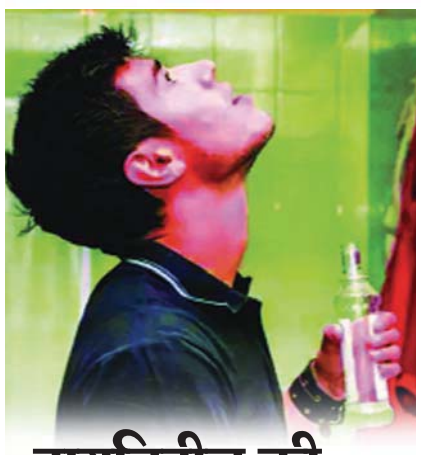

डायबिटीज की शुरूआत में हमारा मुंह भी देता है वार्निंग साइन

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्धावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराश, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रट्ट (इभफ),(घ्द्धक़) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

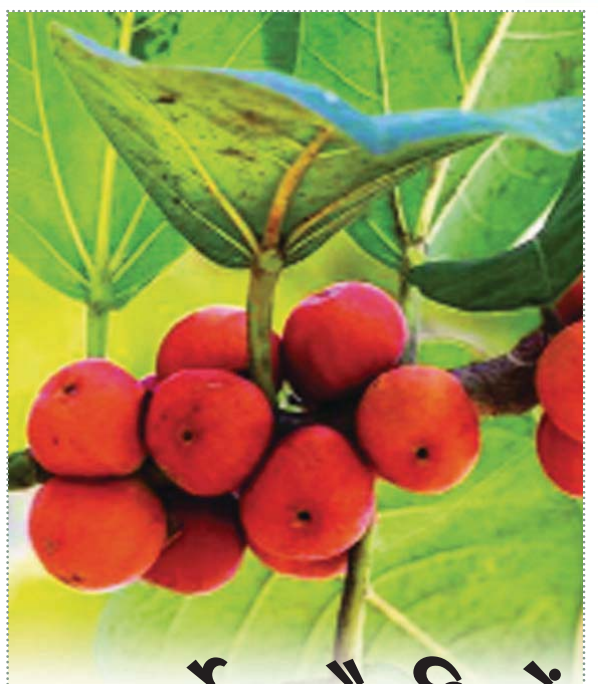

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सडने लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सडने लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढने लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें।

इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें।

मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आपकी मदद कर सकती हैं आंखों के योग की क्रियाएं

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अेकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं -

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

साइक्लोथोन के साथ मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती

♦भारत टाइम्स♦बड़नगर

बड़नगर में पुलिस अधीक्षक उज्जैन के आदेश पर थाना बड़नगर में साइक्लोथोन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीओपी एम एस परमार, थाना प्रभारी अशोक पाटीदार और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। साइक्लोथोन थाना से प्रारंभ होकर डाबरी चौक, धान मंडी, नकली पान, गांधी चौक, नयापुरा, अंबेडकर चौक, संगम नगर, बस स्टैंड डायवर्सन रोड होते हुए वापस थाना पहुंची। इस आयोजन में पुलिस कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को याद किया।

रामनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की सुना मन की बात

♦भारत टाइम्स♦रामनगर

रामनगर भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को रामपुर स्थित पार्षद लल्लन सोनकर के आवास पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 132वां संस्करण सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा देश से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर रखे गए विचारों पर चर्चा की। मन की बात में प्रधानमंत्री ने चल रहे युद्ध पर चिंता व्यक्त करते हुए शांति और मानवता के महत्व पर जोर दिया। साथ ही वर्ष 2026 के टी-20 मैच में भारत की शानदार जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके अतिरिक्त डोमेरी में हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड स्तर के वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर महानगर मंत्री डॉ. अनुपम गुप्ता (एडवोकेट), पार्षद लल्लन सोनकर, पूर्व सभासद मीना सोनकर, भाजयुमो मंडल संयोजक पंकज बारी, राजा राम खरवार, विशाल आनंद, सुरेश श्रीवास्तव, अंकित राय, चंदन राय, मंजय पाल, संतोष रावत, हरिचंद्र मौर्य, दिलीप श्रीवास्तव, अशोक यादव, विनोद सोनकर, विजय सोनकर, हर्षित, ताज, नसीम, नरसिंह मौर्य, ओम प्रकाश, राजकुमार दुबे, शिवम दुबे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साइबर अपराध के प्रति जागरूकता जरूरीः थाना अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह

♦भारत टाइम्स♦
आचार्य स्कंद दास अयोध्या धाम

अयोध्या। अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत थाना जामो (अमेठी) में साइबर व डिजिटल क्राइम के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम श्री भोला नाथ सेवा संस्थान गोण्डा के तत्वावधान में तथा समाज कल्याण विभाग अयोध्या के निर्देशन में संपन्न हुआ।कार्यशाला को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने कहा कि साइबर अपराध कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से होने वाली अवैध गतिविधियां हैं, जिनमें हैकिंग, डेटा चोरी, वायरस फैलाना और ऑनलाइन धोखाधड़ी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये अपराध व्यक्ति की पहचान और धन के साथ-साथ संगठनों के डेटा को भी नुकसान पहुंचाते हैं।उन्होंने साइबर अपराध को सक्षम अपराध और निर्भर अपराध दो श्रेणियों में विभाजित करते हुए विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को दी जा रही सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य सेवाएं, आश्रय, भोजन और सहायक उपकरणों की जानकारी भी साझा की।इस दौरान धनंजय पांडेय सहित पुलिसकर्मी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

चिरईगांव में गूंजा गीता का संदेश : गीता चेतना अभियान का तीसरा पड़ाव बना आध्यात्मिक जनजागरण का केंद्र

♦भारत टाइम्स♦
अजय चौबे /वाराणसी

चिरईगांव क्षेत्र अंतर्गत ढाब क्षेत्र (गोबरहां ग्राम) आज आध्यात्मिक ऊर्जा और ज्ञान के अद्भुत संगम का साक्षी बना, जब कर्मयोगी पीठ द्वारा संचालित गीता चेतना अभियान का तीसरा पड़ाव भव्य रूप से आयोजित किया गया। श्री त्रिदण्डी स्वामी शिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने इसे एक जनआंदोलन का स्वरूप दे दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद के साथ पंडित अतुल पांडेय द्वारा किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय और ऊजार्वान हो उठा। इसके पश्चात मुख्य वक्ता कर्मयोगी गौरव मिश्र ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में श्रीमद्भगवद्गीता के गूढ़ रहस्यों को सरल भाषा में प्रस्तुत करते हुए बताया कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन के हर संघर्ष में मार्गदर्शक बनने वाली दिव्य शक्ति है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से गीता के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया।

आचार्य सुशील चंद्र श्रीवास्तव एवं डॉ. चंद्रदेव पटेल ने भी अपने विचारों में गीता के कर्म, ज्ञान और भक्ति योग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में गीता का अनुसरण व्यक्ति को संतुलित और सफल बनाता है।

कार्यक्रम का संचालन बालव्यास मार्कण्डेय त्रिपाठी ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया, वहीं अध्यक्षता समाजसेवी पंचम सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित क्षत्रिय महासभा के अश्वनी सिंह ने इस अभियान को समाज के नैतिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

पूरे आयोजन को मायाशंकर मिश्र एवं श्यामकार्तिक मिश्र के नेतृत्व में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण सभी उपस्थित लोगों को श्रीमद्भगवद्गीता का वितरण रहा, जिसने इस आयोजन को और अधिक सार्थक बना दिया।

अंत में अरविंद मिश्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर शिवशरण पटेल, गुलाब यादव, बृजेश मिश्र, संतोष सिंह, राजभिषेक मिश्र सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उमड़ी जनसहभागिता और लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया कि गीता चेतना अभियान न केवल एक धार्मिक पहल है, बल्कि समाज में नैतिकता, जागरूकता और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है।

गीता चेतना अभियान में युवाओं से संवाद करते हुए कर्मयोगी गौरव मिश्र

मन की बात से प्रेरित हुए कार्यकर्ता, बूथों पर हुआ सामूहिक श्रवण

♦भारत टाइम्स♦
आचार्य स्कंद दास अयोध्या धाम

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण महानगर के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं व आमजन ने सामूहिक रूप से सुना। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही और जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया।

जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने सरायरासी स्थित अपने आवास पर कार्यकताओं के साथ कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का ह्यमन की बात कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का माध्यम है। इसमें देश के विकास, नवाचार और जनभागीदारी के जो उदाहरण प्रस्तुत किए जाते हैं, वे हम सभी को सकारात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं।

नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने सहादतगंज स्थित आवास पर कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री का सीधा संवाद है, जो हमें अपने दायित्वों के प्रति जागरूक करता है और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है।

महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने मणिराम दास की छावनी वार्ड स्थित तिवारी मंदिर में कार्यक्रम का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि मन की बात समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और हमें सेवा, समर्पण व जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने सहादतगंज स्थित महानगर कार्यालय में महानगर कमेटी के साथ कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक है, जो हमें संगठनात्मक मजबूती और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की दिशा में प्रेरित करता है।

पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महामंत्री शैलेन्द्र कोरी एवं स्वामी परमानंद मिश्र ने सीताकुण्ड अयोध्या में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। पूर्व महापौर ने कहा कि मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। इससे कार्यकताओं को जनसेवा के लिए नई दिशा और संकल्प मिलता है। जिला महामंत्री शिवेन्द्र सिंह ने ग्राम सभा मड़ना में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को सुना।

महानगर उपाध्यक्ष तिलक राम मौर्य, शशि प्रताप सिंह, हरभजन गौड, अमल गुप्ता, शिवम्क शुक्ला, गन्ना समित के चेयरमैन दीपेन्द्र सिंह, अनुराग त्रिपाठी, बाबूराम यादव, हनुमान गढी के संत राम कुमार दास, विनय जायसवाल, आशीष सिंह, जेपी श्रीवास्तव, ओमिस अग्रहरि, सचिन सरीन, चेतन गुप्ता, शुभम श्रीवास्तव, ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम को सुना।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 सरगुजा में कुश्ती स्पर्धा की शानदार शुरूआत

♦भारत टाइम्स♦
रायपुर/छत्तीसगढ़

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत आज चौथे दिन सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में कुश्ती प्रतियोगिता की शानदार शुरूआत हुई। अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों से आए 144 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। प्रतियोगिता के शुरूआत के साथ ही पहले दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। युवा पहलवानों ने अपनी तकनीक एवं रणनीति का जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू-कश्मीर के मुनैर हुसैन एवं महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार ने विभिन्न पड़ाव में जीत हासिल कर फाइनल मुकाबले में अपनी जगह बनाई। इसी प्रकार फ्रीस्टाइल सीनियर में 125 किलोग्राम भार वर्ग में तेलंगाना के बनोथ विनोदकुमार एवं महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलकार विजेता रहे, जिनके बीच आगे फाइनल मुकाबला होगा।

ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भार वर्ग में गुजरात के वसावा मुकेश भाई एवं झारखंड के अंजीतकर मुंडा तथा 97 किलोग्राम भार वर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार एवं जम्मू-कश्मीर के शमा हुन के बीच आगे फाइनल मुकाबले होंगे।

आज विभिन्न राउंड्स में विजेता रहीं महिला सीनियर 50 किलोग्राम भार वर्ग में झारखण्ड की पूनम ओरांव एवं तेलंगाना की के. गीता के बीच फाइनल मुकाबले होंगे। महिला सीनियर 62 किलोग्राम भार वर्ग में असम की देबी दैमारी एवं हिमाचल की प्रियंका चौधरी के बीच फाइनल मुकाबला होगा।

अयोध्या नगरी में वाहन पार्किंग के नाम पर की जा रही है जमकर वसूली- एस0एन0 बागी

♦भारत टाइम्स♦
आचार्य स्कंद दास अयोध्या धाम

अयोध्या । श्रीराम मंदिर निर्माण होने के साथ-साथ पर्यटकों की सुविधा के लिए राज्य सरकार व जिला प्रशासन की मंशा के अनुरूप घर-घर में होम स्टे व गेस्ट हाउस बनने शुरू हो गए। देखते-देखते हजारों की संख्या में होमस्टे और गेस्ट हाउस बन गए। इनमें से कुछ पंजीकृत है तो कुछ बिना पंजीकरण के। इन होम स्टे व गेस्ट हाउस के मालिकानों द्वारा निर्धारित मानकों को भी नजरअंदाज किया गया और किसी ने भी वाहन पार्किंग का निर्माण नहीं कराया। अयोध्या आने वाले पर्यटकों के वाहन गली कूचों व सड़कों पर खड़े रहते हैं, जिससे जगह-जगह मार्ग अवरूद्ध हो जाते हैं। जानकारी होने के बावजूद अयोध्या नगर निगम और अयोध्या विकास प्राधिकरण पूरी तरह से मूकदर्शक बना हुआ है। ज्ञातव्य हो कि राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद से ही अयोध्या में बाहरी श्रद्धालुओं का भारी संख्या में आगमन शुरू हो गया था नगर निगम व विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के बाहर-बाहर तो कुछ पार्किंग बनवाई गईं लेकिन शहर के अंदर एक भी पार्किंग का निर्माण नहीं कराया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार जिला प्रशासन ने नगर में गेस्ट हाउस व होमस्टे निर्माण किए जाने की अनुमति अयोध्या वासियों को दी जिसके तहत लोगों ने अपने घरों को होमस्टे में बदल दिया,तमाम लोगों ने बैंकों से कर्ज लेकर गेस्ट हाउस बनवा डालें लेकिन उन लोगों ने वाहनों के खड़े होने के लिए वाहन पार्किंग का इंतजाम नहीं किया। अधिकांश गेस्ट हाउस व होम स्टे में रुकने वाले पर्यटकों के वाहन सड़कों पर ही खड़े रहते हैं जिसके कारण मार्ग अवरूद्ध हो जाते हैं। मौके का फायदा उठाते हुए कुछ मठाधीशों व जमीन के मालिकों द्वारा अवैध रूप से अपने यहां पार्किंग बना ली और वाहनों को खड़ा करने के लिए मनमानी रकम वाहन मालिकों से वसूल कर अपनी आमदनी बढ़ाने का काम शुरू कर दिया। नगर में चल रही हजारों वाहन पार्किंगों का कोई पंजीकरण नहीं है और न ही उनसे किसी तरह का शुल्क विकास प्राधिकरण या नगर निगम वसूल रहा है। इन वाहन पार्किंग में सुरक्षा,पेयजल, शौचालय की भी कोई सुविधा पर्यटकों के लिए नहीं है। गेस्ट हाउस व होम स्टे के मालिक पर्यटकों के वाहनों को सड़क पर खड़े कराते हैं लेकिन पार्किंग शुल्क स्वयं वसूलते हैं। विशेष बात यह है कि नगर में चल रहे हजारों गेस्ट हाउस व होम स्टे निर्मित कराए जाने के समय सुरक्षा मानकों का भी ध्यान नहीं रखा गया है। इन सभी गेस्ट हाउसों और होमस्टे की जांच होनी चाहिए और उनके मालिकों द्वारा निर्धारित मानकों को पूरा न किए जाने पर उन्हें दंडित भी किया जाना चाहिए। अयोध्या विकास प्राधिकरण और नगर निगम को इन व्यवसायिक कार्यों में उपयोग किये जा रहे भवनों का उसी हिसाब से कर निर्धारण करना चाहिए। विद्युत विभाग को इन भवनों की जांच करके विद्युत भार बढ़ाना चाहिए साथ ही नगर निगम को गृह कर और जलकर में व्यावसायिक दृष्टि से वृद्धि करना चाहिए। पार्किंग की व्यवस्था न होने वाले होम स्टे व गेस्ट हाउस मालिकों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए। आए दिन वाहन पार्किंग के लिए झगड़े होते रहते हैं। अशोक सिंहल वार्ड के भाजपा पार्षद अंकित त्रिपाठी ने कई बार रामघाट क्षेत्र में चल रहे अवैध वाहन पार्किंग को समाप्त कराने के लिए अभियान चलाया, उन्होंने अधिकारियों को भी इस संबंध में अवगत कराते हुए वाहन पार्किंग का रजिस्ट्रेशन करने व निर्धारित मानकों को पार्किंग मालिकों से पूरा कराने का अनुरोध किया लेकिन जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, व अयोध्या विकास प्राधिकरण मूकदर्शक बना हुआ है जिससे नगर में सड़कों पर जाम लगने के साथ-साथ आए दिन मारपीट की घटनाएं वाहन स्वामियों और पार्किंग मालिकों के बीच होती रहती है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में बालोद जिले की निकिता ठाकुर ने भारोत्तोलन में जीता स्वर्ण

कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने दी बधाई

♦भारत टाइम्स♦
बालोद/छत्तीसगढ़

जिले की खेल प्रतिभाएं अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में बालोद जिले की होनहार बेटी निकिता ठाकुर ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' में स्वर्णिम सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। निकिता ने महिला 77 किलोग्राम भारोत्तोलन (वेटलिफ्टिंग) स्पर्धा में कुल 160 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। निकिता की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जिले की कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने उन्हें और उनके परिवार को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। निकिता की सफलता की सराहना करते हुए कलेक्टर श्रीमती दिव्या मिश्रा ने कहा कि निकिता ने अपने कड़े परिश्रम, समर्पण और अटूट दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने इस जीत को पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि ?ञनिकिता ठाकुर की यह जीत केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए जी-जान से जुटे हैं। उनका संघर्ष यह साबित करता है कि यदि मेहनत सही दिशा में हो और मार्गदर्शन उचित मिले, तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं है। उल्लेखनीय है कि ?आदिवासी विकासखंड डौंडी के ग्राम भर्रिटोला-36 की रहने वाली निकिता पिछले तीन वर्षों से वेटलिफ्टिंग का अभ्यास कर रही हैं। दल्लीराजहरा में कोच अनिता शिंदे के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी तकनीक को बेहतर बनाया। निकिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के सहयोग और अपनी कोच की प्रेरणा को दिया है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन देशभर के खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला

♦भारत टाइम्स♦
रायपुर/छत्तीसगढ़/परस साहू

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। इस दौरान विजेता प्रतिभागियों को पदक प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता में प्रमुख मुकाबले में फाइनल राउंड में सीनियर 50 किलोग्राम महिला में झारखंड की पूनम ओराँव ने तेलंगाना की के. गीता को 6-3 से हराया। महिला सीनियर 62 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल की प्रियंका चौधरी ने असम की देबी दैमारी को 11-0 से हराया। ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड के अंजीतकर मुंडा ने गुजरात के वसावा मुकेशभाई को 9-0 से हराया। 97 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार ने जम्मू कश्मीर के शमा हुन को 8-0 से हराया। पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू कश्मीर के मुनैर हुसैन ने महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार 11-1 से हराया।

ये रहे पदक विजेता

पदक प्राप्त करने वालों में आज सीनियर 50 किलोग्राम महिला में झारखंड की पूनम ओराँव ने गोल्ड, तेलंगाना की के. गीता ने सिलवर, झारखण्ड की चंचला कुमारी एवं असम की रूपतालिन ने कांस्य पदक जीता।

महिला सीनियर 62 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल की प्रियंका चौधरी ने गोल्ड, असम की देबी दैमारी ने सिल्वर, मध्यप्रदेश की चांदनी नरेती एवं असम की अनिशा बासुमातारी ने कांस्य पदक जीता।

इसी प्रकार पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड के अंजीतकर मुंडा को गोल्ड, गुजरात के वसावा मुकेशभाई को सिल्वर, असम के आकाश करदोंग एवं हिमाचल प्रदेश के अक्षय कुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किया ।97 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार ने गोल्ड, जम्मू कश्मीर के शमा हुन ने सिल्वर, हिमाचल प्रदेश के साहिल चौधरी ने कांस्य पदक जीता। फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू कश्मीर के मुनैर हुसैन को गोल्ड,महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार को सिल्वर एवं हिमाचल प्रदेश के अंकुश कुमार एवं कर्नाटक अम्रुत फक्कीरप्पा ने कांस्य पदक जीता। फ्रीस्टाइल सीनियर में 125 किलोग्राम भारवर्ग में महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सालाकार को गोल्ड, राजस्थान के अमित कुमार मीना को सिल्वर एवं हिमाचल प्रदेश के हरपाल सिंह ने कांस्य पदक जीता।

सार-समाचार

भारत के पूर्व कप्तान ने की रोहित शर्मा की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने साल 2024 में टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था, लेकिन वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं। रोहित ने आईपीएल-2026 के लिए जमकर तैयारी की है और अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया है। इन सभी चीजों को देखते हुए भारत के पूर्व क्रिकेटर कृष्णमचारी श्रीकांत ने उनकी तरीफ में बड़ी बात कही है। मुंबई आईपीएल के मौजूदा सीजन में अपने अभियान की शुरूआत आज यानी 29 मार्च रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ करेगी। ये मैच मुंबई अपने घर वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। श्रीकांत का कहना है कि रोहित कोलकाता के गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटेंगे। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, कोलकाता कुछ साल पहले रोहित शर्मा के लिए हलवा हुआ करती थी। वह उनकी गेंदबाजी का हलवा बनाकर खा जाएगा। जब कोलकाता रोहित के कंफर्ट जोन में आएगी तो वह बादाम हलवे की तरह उसे खा जाएगा।

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को आखिरी गेंद पर हराया

क्राइस्टचर्च: साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आखिरी गेंद पर जीत लिया है। मैच की आखिरी गेंद पर साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 6 रन चाहिए थे। सूजी बेट्स की गेंद पर कायला रेनेके ने छक्का लगाकर टीम को 2 विकेट से जीत दिला दी। यह 20 साल की कायला रेनेके का पहला ही वनडे मुकाबला था। तीन मैचों की सीरीज में साउथ अफ्रीका ने 1-0 की बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 268 रन बनाए थे। 50वें ओवर की आखिरी गेंद पर टीम की पारी सिमट गई थी। आखिरी ओवर में साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 14 रन चाहिए थे। पहली दो गेंद पर दो रन बने। तीसरी गेंद पर कायला रेनेके ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दो गेंदें डॉट रही। आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे और रेनेके ने छक्का लगाकर साउथ अफ्रीका को मुकाबला जीतवा दिया। हैगली ओवल के मैदान पर साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टीम के लिए मैड्डी ग्रीन ने सबसे बड़ी 85 रनों की पारी खेली। उन्होंने 83 गेंद पर 9 चौके मारे। इजाबेल गाजे ने 37 जबकि कप्तान अमेलिया केर ने 36 रनों का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने 56 रन देकर 6 विकेट लिए। यह उनके करियर का बेस्ट प्रदर्शन भी है। साउथ अफ्रीका ने 30 रनों के स्कोर पर दोनों ओपनर तज्मिन ब्रिट्स और लौरा वोल्वार्ड्ट के विकेट खो दिए। इसके बाद एनेरी डर्कसेन और सुने लुस ने अर्धशतक लगा।

'2 साल का बैन काफी नहीं', बेन डकेट के हटने पर भड़के सुनील गावस्कर

नई दिल्ली: इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर और काउंटी क्रिकेट का हवाला देकर नाम वापस ले लिया। इस पर सुनील गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को अब और सख्त होने की जरूरत है। गावस्कर के अनुसार, वर्तमान में लागू 2 साल का प्रतिबंध खिलाड़ियों को रोकने में नाकाम रहा है, क्योंकि इसका उन पर कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ रहा है। बेन डकेट के लिए हालिया एशेज सीरीज (2025-26) बेहद खराब रही थी, जहां उन्होंने 10 पारियों में मात्र 202 रन बनाए। इसके अलावा, टीम के नूसा ट्रिप के दौरान वे नशे में भी पाए गए थे। गावस्कर का मानना है कि डकेट को द हंड्रेड ऑक्शन में अच्छी कीमत मिल गई है, इसलिए वे अब आईपीएल को छोड़ने में हिचकिचा नहीं रहे हैं। डकेट अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए आईपीएल के बजाय काउंटी चैंपियनशिप को प्राथमिकता दे रहे हैं। जब गावस्कर से पूछा गया कि सजा क्या होनी चाहिए, तो उन्होंने स्लो ओवर रेट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जैसे मैच के दौरान धीमी ओवर गति पर एक अतिरिक्त फील्डर घेरे के अंदर बुला लिया जाता है, जिसका सीधा असर खेल पर पड़ता है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 : वेटलिफ्टिंग में मिजोरम की जोसांगजुआली ने जीता स्वर्ण

असम की पिंकी बोरो को रजत और मध्यप्रदेश की गुंजन उइके को कांस्य

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के तहत महिला 86 प्लस किलोग्राम वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने आज रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस स्पर्धा में मिजोरम की जोसांगजुआली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जोसांगजुआली ने स्नैच में 70 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 83 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 140 किलोग्राम के साथ पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने मिजोरम को गौरवान्वित किया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय खेल परिसर में किया जा रहा है। असम की पिंकी बोरो ने शानदार प्रयास करते हुए कुल 125 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने स्नैच में 55 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 70 किलोग्राम का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश की गुंजन उइके ने भी दमदार खेल दिखाते हुए कुल 86 किलोग्राम के साथ कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 39 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 47 किलोग्राम वजन उठाया। प्रतियोगिता में त्रिपुरा की ट्विस्मु जमातिया चौथे स्थान पर रहीं, जिन्होंने कुल 77 किलोग्राम वजन उठाया।

प्रतियोगिता की खास बात यह रही की सभी खिलाड़ियों ने युवा आयु में बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धात्मक रहा, जहां हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। आयोजन स्थल पर दर्शकों का उत्साह खिलाड़ियों के प्रदर्शन को और ऊर्जा दे रहा था।

विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने जीता मियामी ओपन 2026 का खिताब, सनशाइन डबल जीतने वाली बनीं पांचवीं खिलाड़ी

मियामी। मियामी ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी कोको गॉफ को शनिवार रात 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया और सनशाइन डबल पूरा करने वाली दुनिया की पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गईं। सनशाइन डबल में इंडियन वेल्स ओपन और मियामी ओपन दोनों खिताब लगातार जीतना शामिल होता है।

मैच की बात करें तो सबालेंका ने पहले सेट में 2-0 की बढ़त लेते हुए दबदबा बनाया और आसानी से सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां गॉफ ने एकमात्र ब्रेक हासिल कर 6-4 से सेट अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया।

तीसरे सेट में सबालेंका ने फिर से नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने शुरूआती गेम में ही ब्रेक किया और लगातार शानदार सर्विस गेम खेलते हुए 5-3 की बढ़त बनाई। अंत में गॉफ की बैकहैंड गलती के साथ सबालेंका ने मैच अपने नाम कर लिया। पूरे मैच में सबालेंका ने अपने पहले सर्व पर 73 प्रतिशत अंक जीते और उन्हें सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि वह फाइनल तक बिना एक भी सेट गंवाए पहुंची थीं। इस उपलब्धि के साथ सबालेंका ने इगा स्वियातेक, विक्टोरिया अजारेंका, किम क्लाइस्टर्स और स्टेफी ग्राफ जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया। इसके अलावा, सबालेंका का इस साल का रिकॉर्ड अब 23-1 हो गया है। उनकी एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में एलेना राइबाकिना के खिलाफ आई थी, जिसका बदला उन्होंने इंडियन वेल्स फाइनल और मियामी सेमीफाइनल में चुका लिया।

कम उम्र में अनाथ हुए इसाक मालसावमटलुआंगा ने चोट की चिंता को पीछे छोड़कर जीता केआईटीजी स्वर्ण

रायपुर। मिजोरम के युवा वेटलिफ्टर इसाक मालसावमटलुआंगा 16 साल की उम्र पूरी करने से पहले ही अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद लगभग खेल छोड़ने की कगार पर पहुंच गए थे। इस दोहरी त्रासदी ने इस मिजो किशोर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन उनके बचपन के कोच और चाचा-चाची के सहारे ने उनके खेल करियर को संभाल लिया। 18 वर्षीय इसाक ने कड़ा संघर्ष करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपने परिवार को गर्व महसूस कराया। पीठ की तकलीफ से जूझते हुए भी इसाक ने क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन किया। स्नैच में दूसरे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कुल 235 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जीत के तुरंत बाद उनके चाचा ने उन्हें गले लगा लिया, जो इस युवा खिलाड़ी के जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह रहे हैं।

इसाक के पिता हेमिंग मालसावमटलुआंगा की 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसी साल उन्होंने वेटलिफ्टिंग की शुरूआत की थी। परिवार के इकलौते बेटे होने के कारण उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया था कि वह खेल जारी रखें या परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए कमाई पर ध्यान दें।

इसाक ने साई मीडिया से बातचीत में बताया, उस समय मेरे बचपन के कोच सोमा ने मुझे बहुत प्रेरित किया और वेटलिफ्टिंग जारी रखने के लिए कहा।

हालांकि, 2024 में हिमाचल प्रदेश में आयोजित यूथ नेशनल चैंपियनशिप में 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने के बाद जब उनका प्रदर्शन बेहतर होने लगा, तभी एक और निजी झटका लगा। उनकी मां को कैंसर का पता चला, जिससे परिवार पर भावनात्मक और आर्थिक दबाव बढ़ गया।

इस कठिन समय में उनके चाचा और चाची ने उनका सहारा बना। आइजोल के रामह्लुन वेंगथर इलाके में एक छोटे से रेस्तरां में काम करने वाला यह दंपति इसाक को अपने साथ ले आया और उसकी पढ़ाई और वेटलिफ्टिंग दोनों को बिना रुकावट जारी रखने में मदद की। लेकिन उसी साल उनकी मां का निधन हो गया, जिसने इस युवा खिलाड़ी को पूरी तरह तोड़ दिया। कुछ समय के लिए वह खेल, जो कभी उसे उम्मीद देता था, उसके लिए बेमानी लगने लगा और अकेलापन व दुख उस पर हावी हो गया। उन्होंने कहा, ह्लअपने माता-पिता दोनों को खोना मुझे अंदर से पूरी तरह तोड़ गया था। मैंने लगभग तय कर लिया था कि वेटलिफ्टिंग छोड़ दूंगा, लेकिन मेरे चाचा और कोच ने एक बार फिर मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। 2024 से इसाक इम्फाल स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं और साथ ही आइजोल से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के जरिए कक्षा 12 की पढ़ाई भी कर रहे हैं। धीरे-धीरे उनके प्रयास रंग लाने लगे। 2025 में मोदीनगर में आयोजित जूनियर प्रतियोगिता में उन्होंने एक और रजत पदक जीता और बाद में उसी वर्ष राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से पहले उनकी तैयारियों में भी चुनौतियां कम नहीं थीं। अभ्यास के दौरान उन्हें पीठ में चोट लग गई थी, जिसके चलते उनके कोच ने उन्हें टूर्नामेंट से दूर रहने की सलाह दी थी। लेकिन इसाक ने हार नहीं मानी और रायपुर में मंच पर उतरकर अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वह कहते हैं, मेरे पिता के निधन के बाद से मेरे चाचा हमेशा प्रतियोगिताओं में मेरे साथ जाते हैं। वह यहां भी मेरे साथ थे। जैसे ही मैंने पदक जीता, उन्होंने मुझे अपनी बाहों में उठा लिया। उस पल मुझे एहसास हुआ कि वह कितने खुश थे। इसके बाद वह जश्न मनाने के लिए एक बार फिर अपने परिवार के पास लौट गए।

इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी ने हैदराबाद की हार के बाद कर दी भविष्यवाणी

इशान किशन की टीम नहीं बनेगी चैंपियन

आईपीएल 2026 के पहले मैच में हैदराबाद को आरसीबी ने बुरी तरह से हरा दिया। इस मैच में हैदराबाद की हार की सबसे बडी वजह टीम की कमजोर गेंदबाजी रही। इशान किशन की टीम को मिली इस हार के बाद पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी माइकल वॉन ने साफ तौर पर कह दिया कि ये टीम विनर नहीं बनने जा रही है और इसका कारण भी बताया। माइकल वॉन ने कहा कि मैं तो यही कहूंगा कि बैटिंग के मामले में हैदराबाद की किस्मत थोड़ी खराब रही। अगर हेनरिक क्लासेन आउट नहीं होते तो इस टीम के 20-25 रन और बन जाते और चलिए मान लेते हैं कि हैदराबाद की टीम 230 रन बना भी लेती तो भी ये मैच 18वें ओवर में खत्म हो जाता। अपनी इस बॉलिंग लाइन-अप के साथ वो इस साल के मैंचों में मुकाबला नहीं कर पाएंगे। माइकल वॉन ने आगे कहा कि हैदराबाद की गेंदबाजी अटैक काफी कमजोर है और इस वजह से उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिल पाएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये टीम ट्रॉफी नहीं जीतने वाली है। वहीं जब वॉन से पूछा गया कि क्या ये टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर पाएगी और क्या उनके पास मौका है तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि हैदराबाद प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेगी। आपको बता दें कि हैदराबाद की टीम पिछले सीजन में भी प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही थी और अंकतालिका में ये टीम छठे स्थान पर रही थी। इस सीजन में पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में इशान किशन टीम की कप्तानी कर रहे हैं। सच्चाई तो यही है कि हैदराबाद की बल्लेबाजी काफी मजबूत है, लेकिन इस टीम की गेंदबाजी काफी कमजोर नजर आ रही है और इसी का नतीजा रहा कि आरसीबी ने 202 रन के टारगेट को सिर्फ 15.4 ओवर में 4 विकेट पर ही चेज कर लिया और इशान की टीम को 6 विकेट से हार मिली।

12 करोड़ की फरारी ने हार्दिक पंड्या को दिया धोखा मुंबई की सड़कों पर स्पीड ब्रेकर पर अटकी कार

नई दिल्ली: मुंबई इंडियंस के स्टार ऑलराउंडर और कप्तान हार्दिक पंड्या हाल ही में अपनी नई 12 करोड़ रुपये की फरारी चलाते हुए मुंबई की सड़कों पर स्पॉट किए गए। स्पोर्ट्स कारों का ग्राउंड क्लीयरेंस बहुत कम होता है, जिसके कारण मुंबई के ऊंचे स्पीड ब्रेकर से कार को बचाना हार्दिक के लिए चुनौती बन गया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि हार्दिक ने कार के निचले हिस्से को डैमेज से बचाने के लिए क्रिएटिव तकनीक का इस्तेमाल किया, उन्होंने कार को सीधा ले जाने के बजाय तिरछा करके सावधानी से स्पीड ब्रेकर पार किया।

स्पीड ब्रेकर पार करने के बाद हार्दिक ने वहां मौजूद कुछ पुलिस अधिकारियों से भी मुलाकात की। मुंबई की सड़कों पर ऐसी दुर्लभ और महंगी कार को देखकर पुलिसकर्मी भी अपनी मुस्कान नहीं रोक पाए और हार्दिक का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह वीडियो फैंस के बीच काफी पसंद किया जा रहा है, जिसमें हार्दिक का अपनी लग्जरी कार के प्रति पजेसिव व्यवहार साफ नजर आ रहा है।

इलेक्ट्रिक टू व्हीलर मार्केट में टीवीएस का दबदबा, बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर ने मार्च के महीने में भी इलेक्ट्रिक टू व्हीलर मार्केट में अपना दबदबा बरकरार रखा है। 27 मार्च तक देश में कुल 1,39,238 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर का रजिस्ट्रेशन हुआ था। इसमें 27.30 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ टीवीएस मोटर पहले स्थान पर रही। टीवीएस मोटर द्वारा निर्मित कुल 38,007 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर का अभी तक रजिस्ट्रेशन हो चुका है। टीवीएस मोटर के बाद इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बेचने के मामले में बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही है। बजाज ऑटो द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स का मार्केट शेयर 24 प्रतिशत है। अभी तक बजाज ऑटो द्वारा बनाए गए 33,447 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर का रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

सरकार द्वारा बनाए गए वाहन पोर्टल द्वारा जारी किए गए रजिस्ट्रेशन डेटा के अनुसार मार्च के महीने में एथर एनर्जी 26,151 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर की बिक्री कर- के तीसरे स्थान पर रही है। इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में एथर एनर्जी का मार्केट शेयर 18.8 प्रतिशत है। कंपनी की इस उपलब्धि में एथर एनर्जी की 450 सीरीज और फैमिली स्कूटर रिज्टा की बिक्री का अहम योगदान है।

मार्च के महीने में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बेचने के मामले में हीरो मोटोकॉर्प चौथे स्थान पर रही। हीरो मोटोकॉर्प के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ब्रांड विडा ने 15,683 रजिस्ट्रेशन और 11.3 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में मार्च महीने के दौरान चौथा स्थान हासिल किया। वहीं ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च महीने के दौरान 6,381 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर की बिक्री की। इस महीने इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में ओला इलेक्ट्रिक का मार्केट शेयर 4.6 प्रतिशत रहा और कंपनी पांचवें स्थान पर रही।

इन प्रमुख कंपनियों के अलावा अन्य कंपनियों में एंपियर ने 3.9 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ 5,378 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स का रजिस्ट्रेशन कराया, जबकि रिवर कंपनी ने 2.3 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ अपने 3,135 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स का रजिस्ट्रेशन कराया। मार्च के महीने में बीगॉस ने कुल 2,296 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स की बिक्री की। इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में कंपनी का मार्केट शेयर 1.6 प्रतिशत है। इसी तरह प्योर ईवी के सिर्फ 259 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स मार्चे के महीने में अभी तक बिक सके हैं। कंपनी का इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में महज 0.2 प्रतिशत का मार्केट शेयर है। इनके अलावा कई अन्य छोटे और उभरते इलेक्ट्रिक टू व्हीलर मैन्युफैक्चरर्स ने मार्च के दौरान कुल 8,501 इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स की बिक्री की। इन छोटे छोटे मैन्युफैक्चरर्स का इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट में कुल मिला कर 6.1 प्रतिशत का मार्केट शेयर है।

श्री पार्श्वनाथ दिव्यांग विद्यालय उमरादाह में 1 अप्रैल से निशुल्क प्रवेश प्रारंभ

♦भारत टाइम्स♦बालोद

जिला मुख्यालय से 4 km की दूरी पर स्थित ग्राम उमरादाह में स्व सुल्तानमल सजनादेवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री पार्श्वनाथ दिव्यांग विद्यालय (मुखबधिर स्कूल) का संचालन विगत 3 से 4 वर्षो से किया जा रहा है जहाँ पर मुखबधिर बच्चों को निशुल्क शिक्षा एवं आवास की सुविधा दी जाती है ।

ट्रस्ट के अध्यक्ष गौतम बाफना ने बताया कि मुखबधिर स्कूल में पिछले सत्र में 32 बच्चे शिक्षा का लाभ ले रहे है । ट्रस्ट के सचिव अरुण जैन ने सभी जनता से अपील करते हुए कहा कि इस वर्ष भी नए सत्र के लिए स्कूल एवं आवास के प्रवेश प्रारंभ 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा आप सभी के परिचित में कोई ऐसा दिव्यांग बच्चा हो तो हमसे संपर्क करके उनका प्रवेश निशुल्क करवा सकते है । ट्रस्ट के माध्यम से मुखबधिर बच्चों के लिए कक्षा पहली से छटवी तक निःशुल्क आवास एवं शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है जो कोई भी मुखबधिर बच्चों का इन विद्यालय में प्रवेश करवाना चाहते हो तो 1 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक एडमिशन हेतु आवेदन फार्म श्री पार्श्वनाथ दिव्यांग स्कूल उमरादाह के स्कूल प्रांगण में पहुंचकर फार्म भरकर अपना एडमिशन करवा सकते है ।

गन्ना उत्पादन, पौध तैयार करने और वैल्यू एडिशन में सक्रिय भागीदारी निभाएंगी महिलाएं

- **सीएम योगी के निर्देश पर गन्ना विभाग और यूपीएसआरएलएम के बीच हुआ एमओयू**
- **उत्तर प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण के लिए नई पहल**

लखनऊ : योगी सरकार ने प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और कृषि आधारित गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गन्ना विभाग और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के बीच हाल ही में एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अब प्रदेश की ह्यआधी आबादीह्ल गन्ना उत्पादन, पौध तैयार करने और वैल्यू एडिशन जैसी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

गन्ने से जुड़े अन्य उत्पाद बनाने का भी दिया जाएगा प्रशिक्षण

गन्ना आयुक्त मिनिस्थी एस. ने बताया कि एमओयू का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों को गन्ना आधारित आजीविका से जोड़ना है। इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि होगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का भी अवसर मिलेगा। प्रदेश में वर्तमान में लगभग 47.5 लाख गन्ना किसान चीनी मिलों को गन्ना आपूर्ति करते हैं। इसमें करीब 2.95 लाख महिला किसान शामिल हैं। इसके अलावा 57 हजार से अधिक महिला किसान 3,000 से ज्यादा महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गन्ने की उन्नत किस्मों की पौध तैयार करने का कार्य कर रही हैं। ये समूह गन्ने की नई प्रजातियों के तेजी से प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस पहल के तहत महिलाओं को केवल पौध उत्पादन तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें गन्ने से जुड़े अन्य कार्यों जैसे प्रसंस्करण, जैविक उत्पाद निर्माण, गुड़ और अन्य वैल्यू एडेड उत्पादों के निर्माण में भी प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ महिलाओं के लिए नए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

तकनीकी प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन पर दिया जा रहा जोर

गन्ना आयुक्त का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि प्रदेश के समग्र विकास में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य है। इसी सोच के तहत योगी सरकार लगातार महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दे रही है। चाहे मिशन शक्ति अभियान हो या स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने की योजनाएं, हर स्तर पर महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य है कि महिला स्वयं सहायता समूहों को संगठित कर उन्हें गन्ना क्षेत्र में तकनीकी प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे वे न केवल अपनी आय बढ़ा सकेंगी, बल्कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और उत्पादकता वृद्धि में भी योगदान देंगी। यह पहल गन्ना उत्पादन प्रणाली में एक सकारात्मक बदलाव ला सकती है। महिला समूहों द्वारा तैयार की जा रही उन्नत किस्मों की पौध से गन्ने की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों को बेहतर गुणवत्ता का उत्पादन मिलेगा। साथ ही, वैल्यू एडिशन के जरिए उत्पादों का बाजार मूल्य भी बढ़ेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि आएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मुख्य सेविकाओं को देंगे कई सौगात

- **सीएम लोकभवन में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यक्रम में होंगे शामिल**
- **आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मुख्य सेविकाओं को देंगे ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस और स्मार्टफोन**
- **नवचयनित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को देंगे नियुक्ति पत्र, नए आंगनवाड़ी केंद्रों और परियोजना कार्यालयों का करेंगे शिलान्यास व लोकार्पण**

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लोकभवन सभागार में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की महिला सशक्तीकरण, बाल विकास और रोजगार सृजन को नई गति देने वाली कई बड़ी पहल का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ मिशन रोजगार के तहत नियुक्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे।

सीएम योगी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को वितरित करेंगे ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की डायरेक्टर सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 30 मार्च को लोकभवन के सभागार में 10 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस वितरित किए जाएंगे। इनमें स्टैडियोमीटर, इन्फैंटोमीटर और मदर एंड चाइल्ड वेटिंग स्केल शामिल हैं। प्रदेश में भर में कुल 1,33,282 स्टैडियोमीटर, 10,553 इन्फैंटोमीटर और 58,237 वेटिंग स्केल वितरित किए जाएंगे, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की निगरानी और अधिक सटीक व प्रभावी हो सकेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा 10 नवचयनित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा जबकि 46 जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा 739 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा 42 जिलों में 15,203 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का किया जाएगा शुभारंभ

डायरेक्टर ने बताया कि कार्यक्रम में 10 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन भी वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में कुल 69,794 कार्यकर्ताओं और मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन वितरित करने की प्रक्रिया का शुभारंभ हो जाएगा। इससे डिजिटल मॉनिटरिंग, डेटा संग्रहण और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री आंगनवाड़ी केंद्र भवनों के नए डिजाइन का भी विमोचन करेंगे, जिसकी लागत लगभग 30.32 लाख रुपये प्रति भवन है। इतना ही नहीं, 13 जिलों में 633 आंगनवाड़ी केंद्रों, 28 जिलों में 71 बाल विकास परियोजना कार्यालयों और 27 जिलों में 69 अन्य केंद्रों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं पर कुल 1,37,04.29 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही 70 जिलों में 2,468 आंगनवाड़ी केंद्रों और 29 जिलों में 69 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का लोकार्पण किया जाएगा, जिनकी कुल लागत 3,13,26.31 लाख रुपये है। इन परियोजनाओं से प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल बनी साईं कॉलेज ऑफ फार्मेसी

♦भारत टाइम्स♦

जय प्रकाश चौहान जिला संवाददाता मऊ।

मऊ जनपद स्थित साईं कॉलेज ऑफ फामेर्सी एवं इंदु इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज के प्रांगण में आज ह्यहिंदू-मुस्लिम एकताह्ल की एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं सराहनीय मिसाल देखने को मिली। संस्थान द्वारा आयोजित इस भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम ने सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश दिया, जिसकी उपस्थित जनसमूह ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मऊ नगर पालिका के अध्यक्ष जनाब अरशद जमाल जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में जनाब आबिद अंसारी जी एवं अशफाक डेनियल जी (समीम ज्वेलर्स) भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन श्री अखिलेश कुमार राय, प्रबंधन समिति के सदस्य, समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिनमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एकता और सद्भाव का संदेश प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का वातावरण पूरी तरह से उत्साह, उल्लास और भाईचारे की भावना से ओत-प्रोत रहा।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अरशद जमाल जी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और प्रेम को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

संस्थान के चेयरमैन श्री अखिलेश कुमार राय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका सदैव यह प्रयास रहा है कि यह संस्थान केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित न रहे, बल्कि छात्रों में नैतिकता, संस्कार और सामाजिक समरसता की भावना भी विकसित करे। उन्होंने कहा कि यहां सभी धर्मों और संस्कृतियों का समान सम्मान किया जाता है और हर त्योहार को मिलजुल कर मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार संस्थान में होली और दीपावली को पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है, उसी प्रकार ईद की मिठास भी सभी छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण मिलकर साझा करते हैं। यही परंपरा इस संस्थान को एक विशेष पहचान प्रदान करती है।

कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं तथा नई पीढ़ी को एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्रों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और देश में आपसी सौहार्द एवं एकता को बनाए रखने का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल संस्थान के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरा, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि विविधता में ही भारत की असली ताकत निहित है।

कन्या सुमंगला योजनाः अमेठी की स्नातक की 23 छात्राओं को आखिरी किश्त जारी

- **सरकार की पहल से बेटियों को मिली नई उड़ान**
- **बदलती सोच, मजबूत कदमः आर्थिक सहयोग से सशक्त अमेठी की बेटियां**

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी कन्या सुमंगला योजना आज बेटियों के भविष्य को मजबूत बनाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। इसी कड़ी में अमेठी जिले की 23 छात्राओं को स्नातक स्तर पर प्रवेश लेने के बाद योजना की अंतिम किश्त जारी की गई, जिससे उनके सपनों को नई दिशा और मजबूती मिली है। इन छात्राओं के लिए यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। पहले जहां कई परिवार आर्थिक तंगी के कारण बेटियों की पढ़ाई बीच में ही रुकवा देते थे, वहीं अब इस योजना ने उनकी सोच को बदल दिया है। आज वे बेटियां उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हुए अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन रहीं हैं।

शिक्षा के हर पड़ाव पर साथः जन्म से स्नातक तक सरकार का सहयोग

कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटियों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण शैक्षिक चरणों पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। जन्म से लेकर स्नातक स्तर तक 6 चरणों में दी जाने वाली इस राशि को 2024-25 में इसे बढ़ाकर ?25,000 कर दिया गया है, जो सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। इस पहल का उद्देश्य न केवल बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना है, बल्कि परिवारों पर आर्थिक बोझ कम कर उन्हें बेटियों के उज्ज्वल भविष्य में निवेश के लिए प्रेरित करना भी है।

बदलती सोच, सशक्त होती बेटियां

अमेठी की इन 23 छात्राओं की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब सही समय पर सही सहायता मिलती है, तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहतीं। अब ये छात्राएं अपने करियर को लेकर अधिक जागरूक हैं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहीं हैं। परिवारों में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है जहां पहले बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती थी, वहीं अब यह सोच बदली है और बेटियों को पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए सरकार की तरफ से प्रोत्साहित किया जा रहा है।

योगी सरकार की पहल से बेटियों के सपनों को मिल रहा संबल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाई जा रही कन्या सुमंगला योजना बेटियों को सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है। कन्या सुमंगला योजना ने न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा दिया है। अमेठी की इन 23 बेटियों की कहानी यह संदेश देती है कि यदि अवसर और सहयोग मिले, तो हर बेटी अपने सपनों को साकार कर सकती है। यह योजना केवल एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि एक मजबूत, शिक्षित और आत्मनिर्भर समाज की नींव है।

आजीविका के लिए संघर्ष करने वाली महिला ने दुग्ध उत्पादन से दो साल में कमाए 67 लाख

- **योगी सरकार की योजना का लाभ पाकर बन गई सफल उद्यमी**
- **मिलिए सोनभद्र की लखपति दीदी से, आज संयुक्त परिवार के 14 लोगों की सम्भाल रहीं जिम्मेदारी**
- **एक साहसी महिला की कहानी उन ग्रामीण महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा जो आगे बढ़ने का देखती हैं सपना**
- **परिवार संभालने के साथ ही बच्चों को उपलब्ध करा रहीं हैं बेहतर शिक्षा**

लखनऊ : कभी आजीविका के लिए संघर्ष करने वाली सोनभद्र की विनीता आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही महिला सशक्तीकरण की योजनाओं के सहारे सफलता का नया चेहरा बनकर उभरीं हैं। दुग्ध उत्पादन को आजीविका का आधार बनाकर उन्होंने सिर्फ दो वर्षों में 67 लाख रुपये की कमाई की और यह साबित कर दिया कि सही सरकारी सहयोग, बाजार और मेहनत मिल जाए तो गांव की महिलाएं भी आर्थिक समृद्धि की नई कहानी लिख सकती हैं।

काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से जुड़कर उन्होंने न सिर्फ अपनी जिंदगी बदली, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। आज वे परिवार संभालने के साथ ही बच्चों को बेहतर शिक्षा भी उपलब्ध करा रही हैं।

पहले निजी डेयरियों पर थी निर्भरता

स्नातक तक पढ़ीं विनीता 14 सदस्यीय संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी निभा रही थीं। पति अविनाश के साथ मिलकर वे 10-12 पशुओं के जरिए कार्य करती थीं, लेकिन निजी डेयरियों पर निर्भरता के कारण उन्हें समय पर और उचित मूल्य नहीं मिल पाता था। इससे आय सीमित थी।

संघर्ष से निकली उम्मीद की राह

दिन-रात मेहनत के बावजूद जब हालात नहीं बदले, तब विनीता ने काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी से जुड़ने का फैसला किया। इससे उन्हें उचित मूल्य, समय पर भुगतान और प्रशिक्षण की सुविधा मिली। यही वह मोड़ था, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दी।

दो साल में बनीं लखपति दीदी

विनीता ने वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाया। पशुओं की संख्या बढ़ाई और उत्पादन में बड़ा इजाफा किया। आज उनके पास 40 से अधिक दुधारू पशु हैं और वे ह्यलखपति दीदियोंह्ल में शामिल हो चुकी हैं। महज दो वर्षों में 67 लाख रुपये की आय अर्जित कर उन्होंने ग्रामीण महिला सशक्तीकरण का नया उदाहरण पेश किया है।

हजारों महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा

काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी पूर्वांचल के सात जिलों में 46 हजार से अधिक महिलाओं को रोजगार और सशक्तीकरण से जोड़ रही है। विनीता कहती हैं कि काशी मिल्क और स्वयं सहायता समूह ने मुझे न केवल आर्थिक मजबूती दी, बल्कि जीवन जीने का नया नजरिया भी दिया।

योजनाओं का जमीनी असर

योगी सरकार की महिला सशक्तीकरण और आजीविका से जुड़ी योजनाओं का असर अब गांवों में साफ दिख रहा है। विनीता जैसी महिलाएं न केवल अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं, बल्कि समाज में बदलाव की अगुआ बन रही हैं। सोनभद्र की विनीता की यह कहानी बताती है कि अगर सही मंच, उचित मूल्य और सरकारी योजनाओं का साथ मिल जाए तो ग्रामीण महिलाएं भी सफलता की नई इबारत लिख सकतीं हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूर्व विधायक श्री सिंह को दी श्रद्धांजलि

भोपाल : उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को पूर्व विधायक श्री यादवेंद्र सिंह के सतना में कचनार ग्राम स्थित निवास पहुंचकर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री यतेन्द्र सिंह, श्री जितेंद्र सिंह, श्री अरुण सिंह, श्री बालेंद्र गौतम सहित पूर्व विधायक स्व.श्री यादवेंद्र सिंह के परिजन उपस्थित रहे।

वेब पोर्टल, चैनल दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
भारत टाइम्स डिजिटल
Join our team
आवश्यकता
REQUIREMENT:
भारत के सभी राज्यों में प्रभारी और सभी जिलों में रिपोर्टर की आवश्यकता है।
मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव
• अनुभवी / फ्रेशर
• मीडिया ओर विज्ञापन में रुचि
• बेबाक और निडर
• गृह क्षेत्र के नजदीक कार्य
SEND YOUR CV AND PORTFOLIO TO : BHARATTIMESNEWS01@GMAIL.COM
JOIN NOW!
MOB : 9509745147

NTT / ECCE COURSE
(Nursery Teacher Training / Early Childhood Care & Education)
FOR 12TH PASS
BOYS & GIRLS
COURSE DURATION: 02 YEARS
Exam: May - June 2026
ADMISSION OPEN - 2026
भारत कम्प्यूटर एकेडमी
RMG बैंक के पीछे, पिपलिया कलां मो.9509745147

यूपी में विकास अब घोषणा नहीं बल्कि परिणाम है, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट साबित हुआ सफल उदाहरण

- **शिलान्यास से उद्घाटनों तक पहुंची यूपी की विकास यात्रा, वर्ष 2017 के बाद से अनेक परियोजनाएं उतरीं धरातल पर**
- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करती परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन ने बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर**

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से वर्ष 2017 के बाद विकास की जो कहानी लिखी गई, वह अब केवल योजनाओं तक सीमित न रहकर, जमीन पर दिखने वाले परिणामों में बदल चुकी है। उत्तर प्रदेश में ह्यडबल इंजनह्ल सरकार ने बड़े प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास ही नहीं किया, बल्कि तय समय में उनका उद्घाटन कर यह साबित किया कि यूपी में विकास अब घोषणा नहीं, बल्कि परिणाम है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन साबित हुआ। इस परियोजना का शिलान्यास 25 नवंबर 2021 को हुआ था और एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन 28 मार्च 2026 को किया गया। यूपी का पांचवां इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते हवाई यातायात का दबाव कम करने के साथ पश्चिमी यूपी की विकास यात्रा को नए पंख प्रदान करेगा।

जेवर और अयोध्या में रिकॉर्ड समय में बना इंटरनेशनल एयरपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के सफल क्रियान्वयन से आज उत्तर प्रदेश केवल घोषणाओं का नहीं, बल्कि धरातल पर उतरने वाली विकास परियोजनाओं का राज्य बन चुका है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर इसका एकमात्र उदाहरण नहीं है। एविएशन क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौ वर्षों के शासनकाल में अयोध्या में फरवरी 2022 से बनना शुरू हुआ महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हुआ। 30 दिसंबर 2023 में उद्घाटन के बाद इस एयरपोर्ट ने अयोध्या को वैश्विक धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर मजबूती से स्थापित किया। वहीं, प्रदेश के एविएशन सेक्टर में 10 मार्च 2024 की तारीख भी अहम रही, जब एक साथ आजमगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट, मुरादाबाद और श्रावस्ती के हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया। इससे प्रदेश की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई रफ्तार मिली है।

यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में बन रही है ब्रह्मोस मिसाइल

औद्योगिक और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करते हुए वर्ष 2019 में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) की नींव रखी गई और वर्ष 2023 से इसका संचालन शुरू हो गया। इसके तहत कानपुर में दक्षिण एशिया के सबसे बड़े गोला-बारूद और मिसाइल संयंत्र अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस में फरवरी 2024 से उत्पादन कार्य शुरू हो चुका है। वहीं, प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट का उद्घाटन मई-जून 2025 में हुआ। वर्तमान में यूपीडीआईसी के छह नोड्स अलीगढ़, आगरा, कानपुर, लखनऊ, झांसी और चित्रकूट में लाखों करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है और रक्षा उत्पादों का निर्माण हो रहा है।

देश की पहली रैपिड रेल, दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस का हुआ शुभारंभ

प्रदेश में रैपिड रेल और मेट्रो परियोजनाओं की बात करें तो देश की पहली रैपिड रेल नमो भारत, दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस का शिलान्यास 8 मार्च 2019 को हुआ था। इसके पहले खंड का शुभारंभ 2023 में ही हो गया था, जबकि फरवरी 2026 तक यह पूरी तरह संचालित होने लगी है। इसी क्रम में 7 दिसंबर 2020 को आगरा मेट्रो की नींव रखी गई और मार्च 2024 में इसका उद्घाटन हुआ। वहीं, 11 फरवरी 2026 को मेरठ मेट्रो का शुभारंभ हुआ, जिसने शहरी परिवहन को नई पहचान दी।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की मिला सौगात, जल्द पूरा होगा गंगा एक्सप्रेस-वे

सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी की बात करें तो सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 14 जुलाई 2018 को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास हुआ और 16 नवंबर 2021 को इसका उद्घाटन किया गया। इसी क्रम में बुंदेलखंड जैसे पिछड़े क्षेत्र में आर्थिक बदलाव की नई उम्मीद साबित हुआ। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की आधारशिला फरवरी 2020 में रखी गई थी और जुलाई 2021 में इसे जनता को समर्पित किया गया।